Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 43
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 19 फरवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फेडएक्स ... 4 हम साथ हैं, फिर भी अजनबी, तेजी से भाग ... 7 ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में मचा बवाल, मार्क वॉ ...

संक्षिप्त न्यूज

'भारत कब लौटूंगा, कह नहीं सकता': भगोड़े विजय माल्या ने बॉम्बे हाईकोर्ट से कहा, न आने की बताई यह वजह

मुंबई। भारत में धोखाधड़ी और धनशोधन के कई मुकदमों का सामना कर रहा भगोड़ा कारोबारी विजय माल्या ने बुधवार को बंबई हाईकोर्ट में दलील दी कि वह स्वदेश लौटने की समयसीमा नहीं बता सकता क्योंकि उसके ब्रिटेन छोड़ने पर वहां की अदालत ने कानूनी रोक लगाई है।

माल्या ने अपने वकील अमित देसाई के माध्यम से उच्च न्यायालय को बताया कि उसका पासपोर्ट रद्द कर दिया गया है, इसलिए उसके पास यात्रा के लिए यह महत्वपूर्ण दस्तावेज नहीं है। उसने कहा कि वह इस कारण से भारत लौटने की निश्चित तारीख नहीं बता सकता। यह बयान मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अंखड़ की पीठ की ओर से पिछले सप्ताह यह स्पष्ट किए जाने के बाद प्रस्तुत किया गया कि जब तक माल्या भारत नहीं लौट आते, तब तक वे उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने वाले आदेश के विरुद्ध उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं करेंगे।

हाईकोर्ट ने माल्य से स्पष्ट रूप से यह बताने को कहा था कि वह कब तक भारत लौटेंगे। माल्य के बयान को उनके वकील ने अदालत में पढ़कर सुनाया, जिसमें कहा गाय है कि माल्या को इंग्लैंड और वेल्स छोड़ने या छोड़ने का प्रयास करने, किसी भी अंतरराष्ट्रीय यात्रा दस्तावेज के लिए आवेदन करने या उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

एआई समिट में तकनीक संग सजी भारतीय संस्कृति

भारत मंडपम में दुनिया ने देखा अद्भुत संगम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के तीसरे दिन जब तकनीक और नवाचार पर वैश्विक मंथन चल रहा था, उसी मंच पर भारत की सांस्कृतिक विरासत ने भी दुनिया का दिल जीत लिया। भारत मंडपम में आयोजित विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दुनियाभर से आए नेताओं ने भारतीय कला, संगीत और परंपराओं की झलक देखी, जिसे विदेशी मेहमानों ने खूब सराहा। इस रंगारंग आयोजन ने तकनीक और संस्कृति के अद्भुत संगम को दुनिया के सामने पेश किया।

बता दें कि यह वैश्विक दक्षिण में आयोजित पहला बड़ा एआई सम्मेलन है, जिसमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 से ज्यादा वैश्विक एआई विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। समिट का उद्देश्य एआई के जरिए आर्थिक विकास, सतत प्रगति और वैश्विक चुनौतियों के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना है। यह आयोजन इंडिया एआई मिशन और डिजिटल इंडिया पहल के तहत वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना

जा रहा है।

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस दिल्ली पहुंचे

इसी बीच अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान भी समिट में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे। उनका स्वागत केंद्रीय संचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने किया। यह समिट दुनिया के कई देशों के नेताओं, टेक्नोलॉजी विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों को एक मंच पर ला रहा है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य, नवाचार और वैश्विक सहयोग पर चर्चा हो रही है।

दुनियाभर के नेताओं का पीएम मोदी ने किया स्वागत

इससे पहले भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में दुनिया भर से आए नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर वैश्विक सहयोग और नीति निर्माण को लेकर यह बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने जिन नेताओं का स्वागत किया, उनमें स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज, स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी, कजाकिस्तान के प्रधानमंत्री ओल्जास बेक्टेनोव, फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके और एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार करिस शामिल हैं।

मॉरीशस के साथ-साथ इन देशों के नेता भी पहुंचे

इसके अलावा मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति सेबेस्टियन पिल्लई, नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक शूफ, ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस और क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविक भी मौजूद हैं।

एआई समिट से दिल्ली का ट्रैफिक बेहाल, आप नेता ने उठाया सवाल तो भड़की भाजपा

नई दिल्ली। भारत मंडपम में चल रहे एआई समिट के कारण लगने वाला ट्रैफिक जाम राजनीतिक विवाद का कारण बन गया है। आम आदमी पार्टी ने ट्रैफिक व्यवस्था को न संभाल पाने के लिए केंद्र को दोषी ठहराया है। इस पर भड़की भाजपा ने इसे आम आदमी पार्टी की नकारात्मक सोच का परिणाम बताया है। पार्टी ने कहा है कि जिस समय एआई समिट के कारण देश के विकास करने की संभावनाएं बढ़ रही हैं, इसे देख आम आदमी उत्साहित है, वहीं आम आदमी पार्टी नेता इसमें भी नकारात्मकता देख रहे हैं।

दिल्ली में चल रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) समिट में 20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ भारी संख्या में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विशेषज्ञ और सैकड़ों कंपनियां इस समय राजधानी पहुंची हुई हैं। इन अतिथियों की आवाजाही के समय लगने वाले विशेष रूट में ट्रैफिक को रोक दिया जाता है। इससे जाम की स्थिति और अधिक गंभीर हो रही है। भारत मंडपम, कनॉट प्लेस, आईटीओ, नोएडा-दिल्ली संपर्क मार्ग, विकास मार्ग, कश्मीरी गेट और दिल्ली-हरियाणा संपर्क मार्ग पर लगभग पूरे-पूरे दिन वाहनों की भारी भीड़ लग रही है। लोगों को लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

आप ने किया सवाल

इस स्थिति को देखते हुए आम आदमी पार्टी सौरभ भारद्वाज ने ट्रैफिक व्यवस्था न संभाल पाने के लिए दिल्ली पुलिस और केंद्र को जिम्मेदार ठहराया है। भारद्वाज ने कहा है कि एआई समिट के बीच इस तरह के ट्रैफिक से दुनिया को क्या दिखाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था को सही करने के लिए बेहतर इंतजाम होने चाहिए थे।

बीएमसी की हार के बाद राज ठाकरे बदलेंगे पाला?

डिप्टी सीएम शिंदे से की मुलाकात; मुंबई में बढ़ी हलचल

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके आधिकारिक निवास नंदनवन में मुलाकात की। यह बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों के बाद दोनों नेताओं की पहली आमने-सामने बातचीत थी। जिसमें दोनों नेताओं के बीच काफी देर तक बातचीत हुई।

शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक सूत्र ने कहा कि दोनों नेताओं ने कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। राज ठाकरे ने नंदनवन में शिंदे से मुलाकात के दौरान बंगले में किए गए सुधारों की सराहना की और मुंबई के पुराने विरासत भवनों की फोटो फ्रेम्स का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस मुलाकात का परिदृश्य केवल शिष्टाचार भेंट से कहीं आगे है, क्योंकि दोनों दल महाराष्ट्र के राजनीतिगत समीकरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे पहले मनसे के कुछ कॉर्पोरेटर्स ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना को समर्थन भी दिया था, जिसका असर बीएमसी चुनाव परिणामों पर देखा गया था।

पिछले महीने शिंदे की तारीफ भी की थी

गौरतलब है कि मनसे ने कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र में शिंदे की शिवसेना का समर्थन किया था। शिंदे ने पिछले महीने राज ठाकरे की तारीफ करते हुए कहा था कि उन्होंने व्यक्तिगत लाभ को कभी नहीं देखा और हमेशा व्यापक दृष्टिकोण से निर्णय लिए। उन्होंने कहा राज ठाकरे ने पीएम मोदी का भी समर्थन किया और विधानसभा चुनावों में भी हमारा साथ दिया। राज ठाकरे अपने कार्यकर्ताओं की भावनाओं को महत्व देते हैं।

20 साल बाद साथ आए थे ठाकरे बंधु

राज ठाकरे की पार्टी मनसे ने 15 जनवरी को संपन्न बीएमसी चुनावों में चचेरे भाई उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन किया था। लगभग दो दशक बाद ठाकरे बंधु एकसाथ आए थे।यह मुलाकात राजनीतिक रूप से खास थी, लेकिन चुनाव के नतीजों ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। लंबे समय तक ठाकरे परिवार के नेतृत्व वाली अविभाजित शिवसेना का बीएमसी पर लगभग तीन दशक का वर्चस्व इस बार समाप्त हो गया और भारतीय जनता पार्टी ने नगर निगम पर कब्जा कर लिया।

'हम बार-बार झुकने वाले नहीं', सीएम एमके स्टालिन की केंद्र को चेतावनी, कर डाली ये बड़ी मांग

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को तमिलनाडु विधानसभा में संविधान में संशोधन की मांग करते हुए राज्य सरकारों को स्वायत्त निकायों में बदलने की बात कही और केंद्र पर सारी शक्ति अपने पास रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को ऐसी स्थिति में धकेल दिया गया है जहां उसे अपने हक के फंड पाने के लिए केंद्र सरकार से संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हमें हर फंड के लिए केंद्र सरकार से लड़ना पड़ता है। कब तक हम इस स्थिति में रहेंगे जहां वे देते हैं और हम लेते हैं? केंद्र-राज्य संबंधों का अध्ययन करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट का पहला भाग विधानसभा में पेश कर दिया गया है। स्टालिन ने कहा कि संविधान में संशोधन करके राज्य सरकारों को पूर्ण रूप से सशक्त सरकारों में बदलना होगा। सभी राज्यों को स्वायत्तता मिलनी चाहिए। हम अभी भी ऐसी स्थिति में हैं जहां हमें भूमि और वित्तीय शक्तियों पर

अधिकार सुरक्षित करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए संघवाद आधारशिला है और राज्य सरकारों के परिवर्तन की मांग को दोहराया। उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने राज्य सरकारों का सम्मान किए बिना सारी शक्ति अपने हाथ में ले रखी है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, जिसने सारी शक्तियां अपने पास रखी हैं, राज्य सरकारों का सम्मान नहीं करती। हम कब तक इस स्थिति में रहेंगे जहां वे देते हैं और हम केवल लेते हैं? भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए संघवाद आधारशिला है। सभी राज्यों को स्वायत्तता मिलनी चाहिए। हम बार-बार झुकने वाले लोग नहीं हैं। हमें राज्य स्वायत्तता और केंद्र में संघवाद चाहिए; तभी हम सुशासन बहाल कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक दल की मांग नहीं है, बल्कि राजनीतिक मतभेदों से परे, सभी को राज्य स्वायत्तता की मांग को स्वीकार करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार, जिसने सारी शक्तियां अपने हाथों में केंद्रित कर रखी हैं, राज्य सरकारों का सम्मान नहीं करती।

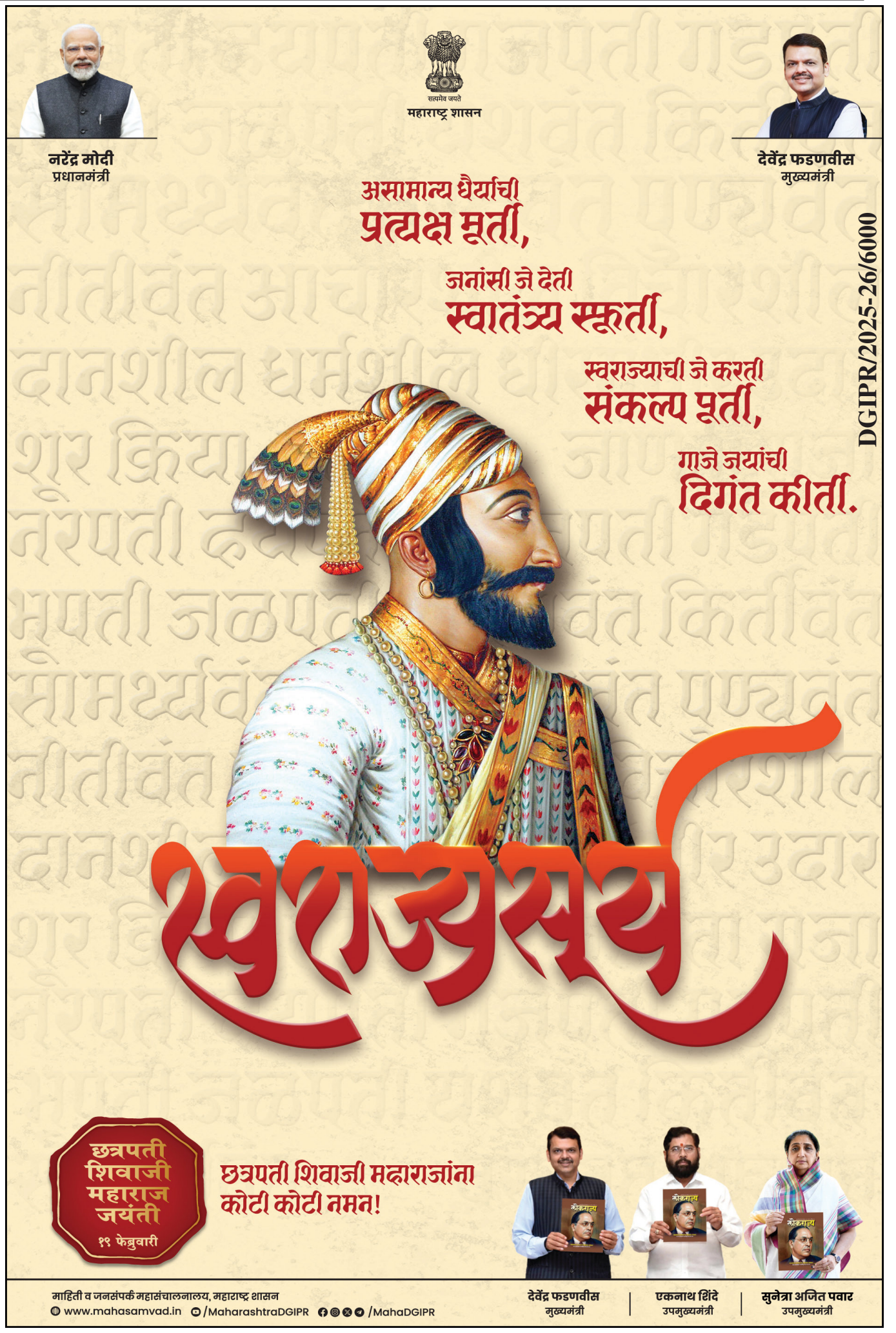

एआई के व्यावहारिक उपयोगों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है भारत : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि भारत, कृत्रिम मेधा (एआई) के व्यावहारिक उपयोगों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जिसमें उद्यमों की उत्पादकता बढ़ाना तथा स्वास्थ्य, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन जैसी जनसंख्या से जुड़ी

चुनौतियों के समाधान शामिल हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के तहत एक शोध संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मंत्री ने एआई प्रदर्शनी में मंगलवार को युवाओं की मजबूत भागीदारी और उनमें दिखे उत्साह को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में करीब ढाई लाख लोगों ने हिस्सा लिया जिनमें अधिकतर की उम्र 30 वर्ष से कम थी।

वैष्णव ने कहा, 'जब मैंने युवाओं से बात की तो जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। मैं इस बात से हैरान था कि अधिकतर युवाओं ने अपने लिए आ रहे इस अवसर को लेकर कितना सकारात्मक नजरिया अपनाया है।'' मंत्री ने कहा कि उन्हें भारत और दुनिया के लिए एक बिल्कुल नए भविष्य की उम्मीद दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा, 'भारत में हम सीमांत स्तर पर कृत्रिम मेधा, व्यावहारिक उपयोगों के लिए एआई, वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए एआई, उद्यमों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एआई और स्वास्थ्य, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन जैसी जनसंख्या से जुड़ी समस्याओं पर खास ध्यान दे रहे हैं। भारत में यही हमारी प्राथमिकता है और यह सम्मेलन ऐसे ही अवसर प्रदान करता है।''

मंत्री ने संगोष्ठी में शामिल प्रतिभागियों से कृत्रिम मेधा को सुरक्षित बनाने के लिए ठोस एवं व्यावहारिक सुझाव देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा एक सशक्त उपकरण है और इसका उपयोग मानवता के हित में होना चाहिए। देश के सबसे बड़े वैश्विक कृत्रिम मेधा सम्मेलनों में शामिल 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में नीति निर्माता, उद्योग जगत के लोग और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ एकत्र हुए हैं तथा यहां नवाचार, संचालन व्यवस्था एवं वास्तविक उपयोगों पर विचार-विमर्श जारी है।

दिग्गी और जयवर्धन पर बरसे दामोदर यादव बोले- 2028 में इनकी जमानत जब्त कराएंगे, किले पर गाड़ेंगे नीला झंडा

भोपाल **(एजेंसी)**। ग्वालियर हाई कोर्ट परिसर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा लगाने के उद्देश्य से नागपुर दीक्षा भूमि से ग्वालियर हाई कोर्ट तक निकली जा रही संकल्प यात्रा की सभा कल शाम कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के गढ़ राघोगढ़, आरोन में पहुंची। जहां यात्रा के नेतृत्वकर्ता और आज़ाद समाज पार्टी भीम आर्मी के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य दामोदर यादव ने जयवर्धन सिंह को आड़े हाथों लिया।

दामोदर यादव ने कहा दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह ने यूजीसी का विरोध किया जिसका वीडियो वायरल हो गया। इससे सिद्ध हो गया पिछड़ों, दलित और आदिवासियों के वोट लेना चाहते हैं लेकिन उनको हक अधिकार नहीं देना चाहते किसी भी कीमत पर 2028 में हम ऐसे लोगों की जमानत जब्त करेंगे और इनके किलो पर नीला झंडा गाड़ने का काम करेंगे।

इस यात्रा के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य को लेकर रही। पार्टी नेताओं ने विधायक शाक्य को 'शोषित और बेबस' बताते हुए उन्हें आजाद समाज पार्टी में शामिल होने का खुला ऑफर दे दिया।

नवी मुंबई में स्कूल-कॉलेजों से 2 लाख से अधिक विद्यार्थियों की 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम में जनजागृति सहभागिता

दिव्यांश

मुंबई। 'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम के अवसर पर 10 फरवरी से नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के स्कूलों और महाविद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पिछले 7 दिनों में 1.75 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने सहभाग लेकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

'हिंद-दी-चादर' की उपाधि से सम्मानित श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के अद्वितीय बलिदान, महान त्याग और मानवता की रक्षा हेतु किए गए अतुलनीय कार्यों की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए महाराष्ट्र शासन द्वारा तैयार विशेष जानकारीपरक डॉक्यूमेंट्री का प्रसारण 370 स्कूलों और महाविद्यालयों में किया गया है।

इसी के साथ प्रसिद्ध गायक श्री सतिंदर सरताज द्वारा गाए गए भक्ति गीत भी सभी स्कूलों में प्रारंभिक सत्र में सुनाए जा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, 374 स्कूलों और महाविद्यालयों के परिसरों में 2,11,300 विद्यार्थी एवं शिक्षक एकत्र होकर प्रभात फेरियों के माध्यम से श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के कार्यों की महिमा जनमानस तक पहुँचा रहे हैं।

विद्यालयों में चित्रकला, निबंध, वक्तृत्व,

गायन, घोषवाक्य लेखन, प्रश्नोत्तरी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के जीवन और चरित्र का गुणगान किया गया है।

16 एवं 17 फरवरी को फादर एग्नेल मल्टीपर्पज स्कूल, वाशी द्वारा सेक्टर 9 एवं 10 क्षेत्र में प्रभात फेरी के माध्यम से जनजागृति की गई। विशेष बात यह रही कि इस प्रभात फेरी में वाशी गुरुद्वारे के अध्यक्ष श्री तेजिंदर सिंह एवं उनके सहयोगी भी शामिल हुए।

इसी प्रकार, ऐरोली स्थित चार्टर्ड इंग्लिश सेकेंडरी स्कूल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ऐरोली गुरुद्वारे के श्री अमरपाल सिंह एवं उनके सहयोगियों ने सहभाग लेकर श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के कार्यों की महिमा बताई।

नवी मुंबई महानगरपालिका स्कूल क्रमांक 118, पावणे में वक्तृत्व, निबंध, गायन और चित्रकला जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसी प्रकार स्कूल क्रमांक 115, श्रमिकनगर में भी निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न हुई।

यशवंतराव चव्हाण कॉलेज, सेक्टर 16, कोपरखैरणे द्वारा आयोजित प्रभात फेरी में विद्यार्थियों ने 'हिंद-दी-चादर' के नारे लगाते हुए नागरिकों तक कार्यक्रम की जानकारी पहुँचाई।

श्रीमती राधिकाबाई मेघे विद्यालय, ऐरोली तथा आर. एफ. नाईक विद्यालय, बोनकोडे द्वारा आयोजित प्रभात फेरियों को भी विद्यार्थियों का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला।

पी. एम. श्री छत्रपति शाहू महाराज विद्यालय, नवी मुंबई महानगरपालिका स्कूल क्रमांक 55 में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के जीवन चरित्र पर आधारित वीडियो फिल्म का प्रसारण किया गया तथा भक्ति गीत भी सुनाए गए।

पंडित मोतीलाल प्राथमिक विद्यालय, नेरुल एवं श्रीराम विद्यालय, ऐरोली में आयोजित वक्तृत्व प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति दी।

आर. एफ. नाईक विद्यालय, बोनकोडे द्वारा प्रभात फेरी के साथ-साथ वक्तृत्व प्रतियोगिता, एकल गीत एवं समूह गीत जैसे उपक्रमों का आयोजन किया गया।

नवी मुंबई महानगरपालिका स्कूल क्रमांक 25, इंदिरानगर तथा नवजीवन हिंदी हाईस्कूल, तुर्भे स्टोर में गायन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, वहीं जुईनगर माध्यमिक विद्यालय में चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताएँ संपन्न हुईं। एसबीओए स्कूल, नेरुल में आयोजित निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

दिनांक 28 फरवरी एवं 1 मार्च 2026 को सेक्टर 29, खारघर ओवे मैदान में महाराष्ट्र शासन की ओर से आयोजित 'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम के अवसर पर एकता और सद्भाव का दर्शन कराने हेतु अधिक से अधिक नागरिकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से विभिन्न माध्यमों द्वारा व्यापक प्रचार किया जा रहा है। स्कूलों और महाविद्यालयों में आयोजित इन उपक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं नागरिकों में जनजागृति की जा रही है।

लोकल ट्रेन के महिला डिब्बे में बुर्का पहनकर प्रवेश करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिनांक 06.02.2026 को कर्जत लोकल ट्रेन के महिला सेकंड क्लास डिब्बे में एक पुरुष व्यक्ति बुर्का पहनकर यात्रा करते हुए घाटकोपर स्टेशन पर देखा गया। उक्त व्यक्ति घाटकोपर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की विपरीत दिशा से उतरकर मौके से फरार हो गया।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान कर उसे ट्रेस किया गया तथा नासिक में गिरफ्तार किया गया।

आरोपी की पहचान अल्ताफ हुसैन शेख (आयु 57 वर्ष), निवासी नासिक के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ है तथा वर्ष 2022 से विभिन्न अस्पतालों में मनोविकार (साइकोटिक) उपचार ले रहा है।

आरोपी को गवर्नमेंट रेलवे पुलिस(जी आर पी) द्वारा पकड़ा गया तथा आगे की आवश्यक कार्रवाई हेतु आरपीएफ घाटकोपर को सौंप दिया गया है।

मध्य रेल पुरुष यात्रियों से अपील करती है कि वे महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में न चढ़ें/यात्रा न करें। ऐसा करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मध्य रेल यात्रियों से यह भी अपील करती है कि इस प्रकार की किसी भी असामान्य घटना की सूचना निकटतम ड्यूटी पर तैनात रेलवे कर्मचारी को अथवा हेल्पलाइन नंबर 139 पर दें।

इंडिया ब्लॉक में बगावती सुर! संजय राउत बोले- सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए जगता है गठबंधन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बुधवार को विपक्षी दल के इंडिया ब्लॉक के कामकाज की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह गठबंधन लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर ही सक्रिय होता हैऔर प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर लगातार समन्वय का अभाव रहता है। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का काम लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर ही शुरू होता है। तब तक किसी के बीच कोई संवाद नहीं होता। तब तक इंडिया ब्लॉक में जनता क्या कर रही है, यह किसी को नहीं पता होता।

राउत ने इस बात पर जोर दिया कि संसद के अंदर मुद्दों को उठाना ही काफी नहीं है, खासकर तब जब विपक्षी नेताओं को बाधाओं का सामना करना पड़ता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र करते हुए राउत ने कहा कि वे राहुल गांधी को संसद में बोलने तक नहीं देते। क्या हम बाहर कुछ कर सकते हैं? राउत ने तर्क दिया कि गठबंधन को पूरे राजनीतिक चक्र में सक्रिय रहना चाहिए, न कि केवल आम चुनाव से पहले। उन्होंने किसानों की परेशानी, कानून व्यवस्था और मणिपुर की स्थिति सहित कई गंभीर मुद्दों की ओर इशारा किया, जिन पर समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि देश में इतनी सारी समस्याएं हैं... अमेरिका के साथ हुए समझौते के परिणामस्वरूप देश के किसान मरेंगे, आत्महत्या करेंगे और भुखमरी से मरेंगे। लेकिन सिर्फ संसद में आवाज उठाने से भारत गुट को कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि गठबंधन को सतर्क रहना चाहिए और अपने घटक दलों के बीच नियमित संचार सुनिश्चित करना चाहिए। राउत ने कहा कि महीनों, यहां तक ??कि सालों तक वे किसी से बात नहीं करते। चाहे उद्धव ठाकरे हों या अन्य नेता, हम चाहते हैं कि इंडिया ब्लॉक न केवल लोकसभा चुनावों से पहले, बल्कि उससे भी पहले सक्रिय रहे। गठबंधन के भीतर संभावित नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चाओं को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी या तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन जैसे नेताओं को ब्लॉक का नेतृत्व करने के सुझाव व्यक्तिगत राय हैं।

उन्होंने कहा कि किसी ने सुझाव दिया है कि ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करना चाहिए। दूसरे का कहना है कि स्टालिन को करना चाहिए। यह उनकी व्यक्तिगत राय है। उन्होंने आगे कहा कि यदि ऐसे मामलों पर विचार-विमर्श करना है, तो गठबंधन की एक औपचारिक बैठक बुलाई जानी चाहिए। 2026 में, भारत के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। जिन पांच विधानसभाओं के लिए चुनाव होने हैं, वे हैं पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी।

भुसावल मंडल द्वारा मनमाड स्टेशन पर व्यापक मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भुसावल मंडल के मनमाड स्टेशन पर 18 फरवरी को संरक्षा विभाग द्वारा एक व्यापक मॉक ड्रिल (दुर्घटना अभ्यास) का आयोजन किया गया। यह मॉक ड्रिल एनडीआरएफ पुणे, एसडीआरएफ धुले तथा मंडल में कार्यरत रेल कर्मचारियों के संयुक्त रूप से किया गया।

इस अभ्यास में एनडीआरएफ पुणे के 30 जवानों, एसडीआरएफ के 20 जवानों, मंडल के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों, जिला प्रशासन, होमगार्ड, सिविल अस्पताल, सिविल डिफेंस, आपदा मित्रों, निजी एजेंसियों एवं पुलिस विभाग ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मॉक ड्रिल के दौरान आपातकालीन दुर्घटना की काल्पनिक परिस्थिति का यथार्थपरक दृश्य प्रस्तुत किया गया।

अभ्यास के अंतर्गत दुर्घटनाग्रस्त कोच में, घायलों को सुरक्षित एवं सावधानीपूर्वक बाहर निकालने, उन्हें त्वरित चिकित्सीय सहायता उपलब्ध

कराने, उनका मनोबल बढ़ाने तथा यात्रियों के सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कार्यवाही का प्रदर्शन किया गया। सायरन बजने के पश्चात अत्यल्प समय (गोल्डन आवर) के भीतर घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। घायल यात्रियों को उनके परिजनों से भी बात कराई गई।

इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के टिकट चेकिंग स्टाफ ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने दुर्घटनास्थल पर यात्रियों की सहायता की, घायलों को चिकित्सा बूथ तक पहुंचाने में सहयोग दिया तथा राहत एवं बचाव कार्यों के सुचारू संचालन में योगदान दिया।

यात्रियों एवं उनके परिजनों को समुचित जानकारी एवं सहायता प्रदान करने हेतु रेलवे वाणिज्य विभाग द्वारा 'यात्री सहायता' बूथ स्थापित किए गए ये बूथ दुर्घटनास्थल के अतिरिक्त प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भी स्थापित किए गए, ताकि आवश्यकता जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जा सके।

इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य दुर्घटना की स्थिति में उपकरणों की वैधता की जांच, कर्मचारियों की समन्वित एवं त्वरित कार्यवाही की क्षमता का परीक्षण तथा उनके आत्मविश्वास को सुदृढ़ करना था।

मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल इनके दिशा-निर्देशानुसार तथा मुकेश कुमार मीना, अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) की उपस्थिति में, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, भुसावल के नेतृत्व में कमांडर एनडीआरएफ पुणे, सिविल डिफेंस, आरपीएफ, रेलवे की चिकित्सा टीम, दुर्घटना राहत ट्रेन पर नामांकित सभी विभागों के कर्मचारियों एवं मंडल अधिकारियों के सहयोग से यह दुर्घटना अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

इस सफल आयोजन से यह स्पष्ट होता है कि भुसावल मंडल रेल से संबंधित किसी भी आपदा का समयबद्ध, समन्वित एवं प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए पूर्णतः सक्षम एवं तैयार है।

मध्य रेल और पश्चिम रेलवे की आरपीएफ टीम ने रेलवे डिब्बों और परिसरों में प्रचार सामग्री चिपकाने के आरोप में 'बंगाली बाबा' को गिरफ्तार किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल और पश्चिम रेलवे की आरपीएफ टीम ने रेलवे डिब्बों और परिसरों में प्रचार सामग्री चिपकाने के आरोप में 'बंगाली बाबा' को गिरफ्तार किया।

दिनांक 17.02.2026 को मध्य रेल के मुंबई मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के मार्गदर्शन में चलाए गए एक संयुक्त अभियान में, मध्य रेल और पश्चिम रेलवे की समन्वित आरपीएफ टीम ने रेलवे डिब्बों और रेलवे परिसरों में अवैध रूप से प्रचार सामग्री चिपकाने और वितरित करने के आरोप में 'बंगाली बाबा' बनकर घूम रहे एक व्यक्ति को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया।

रे रोड क्षेत्र में सक्रिय एक फर्जी बाबा के बारे में विश्वसनीय मुखबिरों से मिली विशिष्ट सूचना के आधार पर, रे रोड स्थित दारुखाना स्थित मीरा अली दरगाह पर संयुक्त छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान, मोहम्मद नज़ीर अंदाड़ी नामक एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया और उसके पास से रेलवे डिब्बों और परिसरों में विज्ञापन और प्रचार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले लगभग 15,000 मुद्रित पोस्टर बरामद किए गए। पूछताछ करने पर, आरोपी ने रेलवे अधिकारियों से अनुमति लिए बिना व्यावसायिक गतिविधियाँ चलाने और रेलवे परिसर, जिसमें रेलवे के डिब्बे भी शामिल हैं, का प्रचार के लिए उपयोग करने की बात स्वीकार की।

तदनुसार, वडाला में धारा 144, 145(बी), 147 और 166 के तहत मध्य रेल संख्या 104/2026 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से आगे की पूछताछ में अन्य संदिग्धों की संलिप्तता का पता चला, जिन्होंने रेलवे डिब्बों के अंदर प्रचार सामग्री छापने और चिपकाने में सहायता की थी। संलिप्त सहयोगियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है।

प्रिंटिंग एजेंसी और पोस्टर चिपकाने के संदिग्ध व्यक्तियों से जुड़े वित्तीय लेन-देन का भी विस्तृत विश्लेषण किया जा रहा है।

मध्य रेल दोहराता है कि अनाधिकृत विज्ञापन, रेलवे संपत्ति को विरूपित करना और उसका दुरुपयोग करना रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध हैं। ऐसे गैरकानूनी कार्यों में लिप्त व्यक्तियों और समूहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मध्य रेल आम जनता से ट्रेनों के अंदर/बाहर और रेलवे परिसर में अनाधिकृत नोटिस/पोस्टर चिपकाने या प्रदर्शित करने से बचने की अपील करता है। विज्ञापन में रुचि रखने वाले लोग अनुमति के लिए मध्य रेल के वाणिज्य विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

मध्य रेल स्वच्छ, सुरक्षित और यात्री-अनुकूल रेलवे परिसर बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और रेलवे संपत्ति को साफ-सुथरा, अनुशासित और क्षति-मुक्त रखने में सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है।

पश्चिम रेलवे

पीओएच अनुसूची से संबंधित कार्यों का निष्पादन

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी, मुंबई - 400 013 द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांकः EL90/MX/2025-26/15 दिनांकः 16.02.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नामः** ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी में कार्य के दायरे के अनुसार मार्क-III / मार्क-IV टॉवर वैगन के विभिन्न उपकरणों के पीओएच (आवधिक ओवरहॉल) अनुसूची से संबंधित कार्यों का निष्पादन। **कार्य की अनुमानित लागतः** 45,05,882.52 **बयाना राशि (ईएमडी)ः** 90,100/- **निविदा जमा करने एवं खोलने की तिथि एवं समयः निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 09.03.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक (केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से)। **निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** 09.03.2026 को (निर्धारित समयानुसार)। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु कृपया वेबसाइट देखें:www.ireps.gov.in 1134

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (उत्तर) द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008 द्वारा ई-निविदा क्रमांकः एसजी-216-2-152-डब्ल्यूए दिनांकः 14.02.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य एवं स्थानः** सीएचआई कार्यालय (नंदुरबार), माल गोदाम (बारडोली, चलथान), आरपीएफ बैरक (दहाणू रोड), एमडीडीटीआई छात्रावास (वलसाड), सिग्नल एवं दूरसंचार भंडार (वलसाड, नंदुरबार) तथा व्यारा सेक्शन में स्टील गर्डर प्रतिस्थापन कार्य से संबंधित दूरसंचार सामग्री की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग एवं एकीकरण का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागतः** 50,65,805.08 **बयाना राशि (ईएमडी)ः** 1,01,300/- **ई-निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 11.03.2026, अपराह्न 15:00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** 11.03.2026, अपराह्न 15:30 बजे। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 1130

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

ट्रैक निरीक्षण एवं निगरानी प्रणाली की खरीद

मुख्य अभियंता, पश्चिम रेलवे, चर्चगेट द्वारा ट्रैक निरीक्षण एवं निगरानी प्रणाली (टीआईएमएस) के डिज़ाइन, निर्माण, आपूर्ति, कमीशनिंग, संचालन एवं अनुरक्षण हेतु इलेक्ट्रॉनिक निविदा आमंत्रित की जाती है। यह प्रणाली आरडीएसओ की तकनीकी विशिष्टता क्रमांक TM/IM/419 (संशोधन-1, 2023) पर आधारित होगी। **निविदा विवरण** : निविदा क्रमांक (ई-ऑफिस फाइल क्रमांक): W641-22-23-06C (E-434312) **स्टोर्स निविदा का विवरणः** ट्रैक निरीक्षण एवं निगरानी प्रणाली (टीआईएमएस) की खरीद। **मात्राः** 16 (सोलह)। **कुल अनुमानित निविदा मूल्यः** 223.71 करोड़। **बयाना राशि (ईएमडी)ः** 50 लाख। **महत्वपूर्ण तिथियां ऑनलाइन प्री-बिड कॉन्फ्रेंसः** दिनांक 25.02.2026 को प्रातः 11:30 बजे। **ई-निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः** दिनांक 17.03.2026 को प्रातः 11:00 बजे। अधिक जानकारी एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण हेतु कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1132

जेआरएच, मुंबई में आयुष के अंतर्गत होम्योपैथी चिकित्सक की नियुक्ति

(संदर्भः अधिसूचना क्रमांक ई/एसबीएफ/1075/48, दिनांक 29/05/2025)

पश्चिम रेलवे के स्टाफ बेनिफिट फंड के तत्वावधान में जगजीवन राम अस्पताल, मुंबई सेंट्रल में आयुष के अंतर्गत 8 घंटे (पूर्णकालिक) के लिए मानद होम्योपैथी चिकित्सक की नियुक्ति हेतु वॉक-इन-इंटरव्यू निम्नानुसार आयोजित किया जाएगाः

दिन, दिनांक एवं समयः	स्थान	रिपोर्ट करें
शुक्रवार, 27 फरवरी 2026, प्रातः 10:00 बजे से	पश्चिम रेलवे मुख्यालय कार्यालय, पुरानी इमारत, द्वितीय तल, 'संवाद' हॉल, चर्चगेट, मुंबई - 20	उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (कल्याण एवं बिल), चर्चगेट, मुंबई

अभ्यर्थी कृपया हमारी वेबसाइट wr.indianrailways.gov.in पर दिनांक 29/05/2025 की अधिसूचना देखें।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
1137

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे द्वारा साप्ताहिक होली विशेष ट्रेनों का संचालन

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन एवं गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09183	मुंबई सेंट्रल - बनारस (एसी विशेष)	04.03.2026 to 25.03.2026	22:30 hrs (बुधवार)	10:30 hrs (शुक्रवार)
09184	बनारस - मुंबई सेंट्रल (एसी विशेष)	06.03.2026 to 27.03.2026	14:30 hrs (शुक्रवार)	04:20 hrs (रविवार)

ठहरावः बोरीवली, पालघर, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, अछनेरा, आगरा ईदगाह, टूंडला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, भोंगांव, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, जंघई तथा भदोही स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहराव रहेगा।

संरचनाः फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर तथा एसी 3-टियर इकोनॉमी कोच।

09189	मुंबई सेंट्रल - कटिहार	21.02.2026 to 28.03.2026	10:55 hrs (शनिवार)	07:30 hrs (सोमवार)
09190	कटिहार - मुंबई सेंट्रल	24.02.2026 to 31.03.2026	00:15 hrs (मंगलवार)	18:40 hrs (अगले दिन)

ठहरावः बोरीवली, वापी, वलसाड, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, मनकापुर, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सिवान, छपरा, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया तथा नौगछिया स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहराव रहेगा।
(अतिरिक्त रूप से, ट्रेन संख्या 09189 सूरत स्टेशन पर भी ठहरेगी।)

संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकंड क्लास कोच।

09025	वलसाड - दानापुर	23.02.2026 to 30.03.2026	08:40 hrs (सोमवार)	12:00 hrs (अगले दिन)
09026	दानापुर - वलसाड	24.02.2026 to 31.03.2026	14:30 hrs (मंगलवार)	21:30 hrs (अगले दिन)

ठहरावः भेस्तान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छेओकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर तथा आरा स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहराव रहेगा।

संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकंड क्लास कोच।

ठहराव, ठहरने के समय तथा संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in वेबसाइट देखें।

ट्रेन संख्या 09183, 09189 एवं 09025 की बुकिंग 19.02.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us & Follow us on:
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ रखें।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फेडएक्स कार्गो हब

महाराष्ट्र के व्यापार को नई गति– मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर FedEx के समर्पित कार्गो हब का भूमिपूजन भारत, मुंबई और महाराष्ट्र के आपूर्ति-श्रृंखला व लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विश्वास जताया कि यह सुविधा राज्य में उद्योग, निर्यात और व्यापार को बड़ा प्रोत्साहन देगी। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक व्यापार परिवेश में मुंबई में निवेश करने का फेडएक्स का निर्णय भारत की आर्थिक मजबूती और महाराष्ट्र के बुनियादी ढांचे पर वैश्विक भरोसे का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री फडणवीस नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फेडएक्स के समर्पित कार्गो हब के भूमिपूजन समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर वन मंत्री गणेश नाइक, विधायक मंदा म्हात्रे, पूर्व सांसद रामशेठ ठाकुर, सिडको के प्रबंध निदेशक एवं उपाध्यक्ष विजय सिंघल, रायगढ़ के जिलाधिकारी किशन जावले, नवी मुंबई महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे, Adani Airport Holdings Ltd. के निदेशक जीत अदाणी, फेडएक्स के चेयरमैन एवं सीईओ Raj Subramaniam, फेडएक्स एमईआईएस के चेयरमैन कामी विश्वनाथन, रिचर्ड स्मिथ, अरुण बंसल सहित अनेक

गणमान्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि फेडएक्स की मजबूत वैश्विक मौजूदगी और अत्याधुनिक तकनीक महाराष्ट्र में कार्गो हैंडलिंग और व्यापार को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भारत का सर्वश्रेष्ठ और सबसे व्यस्त यात्री व कार्गो हवाई अड्डा बनेगा।

उद्योग, निर्यात और संपूर्ण व्यावसायिक पारितंत्र को लाभ

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) भारत के भविष्य के आर्थिक विकास का केंद्र है और 2047 तक पाँच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में इसका बड़ा योगदान होगा। देश के विकास के लिए आपूर्ति-श्रृंखला की लागत कम करना आवश्यक है, और फेडएक्स जैसी कंपनियाँ तकनीक के माध्यम से इस लागत को घटाने में मदद करेंगी। महाराष्ट्र देश के विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी है और फेडएक्स की यह सुविधा उद्योग, निर्यात तथा पूरे व्यावसायिक पारितंत्र के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

अपने स्वागत भाषण में जीत अदाणी ने कहा कि नवी मुंबई को हब के रूप में चुनना महाराष्ट्र के बुनियादी ढांचे पर वैश्विक ध्यान का प्रमाण है। जवाहरलाल नेहरू पोर्ट के निकट रणनीतिक स्थिति और अत्याधुनिक कार्गो सुविधाएँ इस हब को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएंगी। यह परियोजना निर्यातकों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, औषधि तथा कृषि क्षेत्रों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से सीधी कनेक्टिविटी देगी। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

फेडएक्स के अध्यक्ष एवं सीईओ राज सुब्रमण्यम ने कहा, ‘नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फेडएक्स के पूर्णतः स्वचालित और अत्याधुनिक एयर कार्गो हब का भूमिपूजन भारत की वैश्विक व्यापार कनेक्टिविटी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह भारत में फेडएक्स का पहला हब होगा, जिसे 3 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में विश्व-स्तरीय तकनीक के साथ विकसित किया जाएगा। फेडएक्स दीर्घकाल में इस परियोजना में 250 मिलियन डॉलर से अधिक का निवेश कर रहा है, जो भारत की बढ़ती आर्थिक क्षमता पर हमारे भरोसे का प्रमाण है।’

यह परियोजना भारत की राष्ट्रीय आपूर्ति-श्रृंखला पोर्ट लागत नीति और पीएम गति शक्ति योजना के अनुरूप है तथा देश की आपूर्ति-श्रृंखला और पोर्ट-लागत दक्षता बढ़ाने में सहायक होगी। फेडएक्स का नेटवर्क लगभग 220 देशों में संचालित है और नवी मुंबई हब भारत को वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला में और अधिक प्रभावी भागीदारी में सक्षम बनाएगा–ऐसा उन्होंने विश्वास व्यक्त किया।

विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में जनगणना 2027 के आंकड़े अत्यंत महत्वपूर्ण– मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि जनगणना 2027 को अधिक पारदर्शी और तकनीक-आधारित तरीके से संपन्न किया जाएगा। इसमें एकत्र की गई जानकारी और आंकड़े प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी अन्य विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में उपयोगी सिद्ध होंगे। इसलिए संभागीय आयुक्त, जिलाधिकारी, नगर आयुक्त सहित इस प्रक्रिया में कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि आंकड़े और सूचनाएं पूरी तरह सटीक हों।

उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 की प्रक्रिया केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार होगी। लगभग 2.64 लाख गणनाकर्ता (एन्यूमरेटर) मोबाइल उपकरणों के माध्यम से सीधे Census Management and Monitoring System में जानकारी दर्ज करेंगे। इससे आंकड़े एकत्र करने में होने वाली देरी से बचा जा सकेगा। साथ ही, गणनाकर्ताओं के आने से पहले नागरिक स्व-गणना (एत्हिर्ल्सूेदह) के माध्यम से भी पंजीकरण कर सकेंगे।

दो चरणों में होगी जनगणना 2027

अपर मुख्य सचिव सीमा व्यास ने बताया कि जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहला चरण– मकान सूचीकरण एवं गृह जनगणना–16 मई से 14 जून 2026 के बीच संपन्न होगा। इससे पूर्व 1 मई से 15 मई 2026 तक स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में जनगणना 2027 की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और प्रशिक्षण की प्रक्रिया जारी है।

सीमा व्यास ने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना 2027 पूरी तरह डिजिटल होगी। इससे प्रक्रिया अधिक तेज, सटीक और पारदर्शी बनेगी। वर्ष 2011 में कागजी प्रपत्रों के माध्यम से जानकारी एकत्र की गई थी, लेकिन इस बार तकनीक के उपयोग से त्रुटियों में कमी आएगी और कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी होगी।

नीति निर्माण और समावेशी विकास की आधारशिला

निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी डॉ. निरुपमा जे. डांगे ने कहा कि जनगणना केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और समावेशी विकास की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 में संभागीय आयुक्त, जिलाधिकारी और नगर आयुक्त की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

डॉ. डांगे ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य ने जनगणना 2027 की इस राष्ट्रीय पहल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य में जनगणना 2027 का कार्य निर्धारित समय-सीमा में और पूर्ण सटीकता के साथ पूरा किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान प्रस्तुतियों के माध्यम से जनगणना 2027 को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

जनगणना 2027 डिजिटल रूप से होगी; राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सटीकता आवश्यक– मृत्युंजय कुमार नारायण

मुंबई। विकास नियोजन की एक मजबूत आधारशिला के रूप में जनगणना का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने अपील की कि जनगणना 2027 डिजिटल माध्यम से की जाएगी, इसलिए सभी संबंधित एजेंसियाँ राष्ट्रीय मानकों का पालन करते हुए इसे सटीक, पारदर्शी और समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। जनगणना 2027 के संदर्भ में राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सह्याद्री राज्य अतिथि गृह में आयोजित इस बैठक में रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण तथा मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव सीमा व्यास, निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी डॉ. निरुपमा जे. डांगे, संभागीय आयुक्त, जिलाधिकारी, नगर आयुक्त तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने जनगणना के संवैधानिक महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि वित्त आयोग की सिफारिशें, लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन, तथा केंद्र और राज्य सरकारों की अनेक योजनाओं की नींव जनगणना के आँकड़ों पर आधारित होती है। इसलिए एकत्रित की जाने वाली जानकारी गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय होना अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2011 के बाद 16 वर्षों के अंतराल से यह जनगणना

की जा रही है। इस कारण जनगणना 2027 में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारियाँ स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई हैं। उन्होंने सभी से अपेक्षा की कि वे इस राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करें, ताकि देश के विकास की योजनाओं के लिए एक मजबूत और भरोसेमंद आधार तैयार हो सके।

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में नवाचार और क्रियान्वयन का नेतृत्व करेगा भारत– हिलेरी क्लिंटन

विचार, साझेदारी और कार्रवाई के बिना कोई विकल्प नहीं– मुंबई क्लाइमेट वीक में युवाओं को हिलेरी क्लिंटन का संदेश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में युवाओं, महिलाओं और स्थानीय समुदायों के विचार और उनकी कार्रवाई निर्णायक भूमिका निभाएंगे। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे लगातार दरवाज़े खटखटाते रहें, अपनी आवाज़ बुलंद करें और ठोस समाधान प्रस्तुत करें।

हिलेरी क्लिंटन मुंबई क्लाइमेट वीक के दौरान आयोजित एक ‘फायरसाइड चैट’ में बोल रही थीं। इस संवाद में श्लोका नाथ ने उनसे बातचीत की। कार्यक्रम में पर्यावरण सचिव जयश्री भोज भी उपस्थित थीं।

जलवायु परिवर्तन पर नवाचार और क्रियान्वयन में भारत अग्रणी भूमिका निभाएगा

हिलेरी क्लिंटन ने कहा कि भारत और ग्लोबल साउथ के देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नवाचार के क्षेत्र में नेतृत्व कर सकते हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण के लिए प्रभावी समाधानों पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। उनका कहना था कि अब केवल बातें करने का समय नहीं है, बल्कि वास्तविक आवश्यकता कार्रवाई की है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय कार्रवाई केवल नीतियों का विषय नहीं है, बल्कि यह राजनीति, बाजार और उद्योग की वास्तविकताओं को समझते हुए आगे बढ़ने की प्रक्रिया है। ग्लोबल साउथ के युवाओं के पास स्थानीय स्तर पर प्रभावी समाधान हैं, लेकिन उनके पास पूंजी, नेटवर्क और मंचों की कमी है। विचार कहीं से भी आ सकते हैं, बस उन्हें सही समर्थन की आवश्यकता होती है।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सार्वजनिक, निजी और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े क्षेत्रों को एक साथ आकर मजबूत साझेदारियाँ बनानी होंगी। इसी दिशा में क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव वर्ष भर अपने साझेदारों के साथ फंडिंग, तकनीकी सहायता और क्रियान्वयन की एक सशक्त श्रृंखला तैयार करने का कार्य कर रहा है।

हिलेरी क्लिंटन ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और इसके प्रभाव– विशेष रूप से महिलाओं पर–आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। हीटवेव (लू) का सबसे अधिक असर महिलाओं पर पड़ता है।

उन्होंने भारत में स्व-रोज़गार से जुड़ी महिलाओं के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा करते हुए सेल्फ एम्प्लॉयड वुमेन्स एसोसिएशन (सेवा) के साथ किए गए एक प्रयास का उदाहरण दिया। अत्यधिक गर्मी के कारण महिलाओं के काम के घंटे घट जाते हैं और उनकी आय कम हो जाती है। इससे निपटने के लिए एक जलवायु-संवेदनशील बीमा मॉडल विकसित किया गया है, जिसके अंतर्गत वर्तमान में भारत में पाँच लाख महिलाएँ कवर की गई हैं। इस मॉडल को अन्य देशों में भी लागू करने की योजना है।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। स्वच्छ ऊर्जा, अनुकूलन उपायों और स्थानीय नवाचारों पर ध्यान देना आवश्यक है। यह एक वैश्विक समस्या है, लेकिन इसके समाधान स्थानीय स्तर से ही शुरू होते हैं।

प्रकृति के प्रति मानव की जिम्मेदारी

पर्यावरण संरक्षण पर बोलते हुए हिलेरी क्लिंटन ने प्रकृति के साथ मानव के संबंध को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हमने समुद्र, पहाड़ और नदियाँ नहीं बनाई हैं। हम इस धरती के उत्तराधिकारी हैं और इसकी रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से इस दिशा में नेतृत्व संभालने का आह्वान किया।

जलवायु परिवर्तन केवल नीति का नहीं, स्वास्थ्य का भी मुद्दा

हिलेरी क्लिंटन ने कहा कि जलवायु परिवर्तन केवल ऊर्जा नीति से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या भी है। दिल्ली और बीजिंग जैसे शहरों में प्रदूषण और महिलाओं व बच्चों में बढ़ती श्वसन संबंधी बीमारियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्वच्छ ईंधन और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। अमेरिका, ब्रिटेन के साथ-साथ चीन और भारत जैसे देशों को भी नवीकरणीय ऊर्जा की ओर पूरी तरह संक्रमण करना होगा।

एआई क्रांति और पर्यावरण पर प्रभाव

हिलेरी क्लिंटन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक मौसम पूर्वानुमान, बाढ़ प्रबंधन और कृषि उत्पादकता बढ़ाने में उपयोगी हो सकती है। हालांकि, आने वाले वर्षों में एआई रोजगार क्षेत्र में बड़े बदलाव लाएगा और लाखों लोग प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए सरकारों के लिए अभी से नीतियाँ बनाना और नियमन करना आवश्यक है। सोशल मीडिया के अनियंत्रित विस्तार से मिली सीख का उल्लेख करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि एआई के मामले में देर होने से पहले उचित कदम उठाए जाने चाहिए।

सरकार भारत को हर क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है– केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। समावेशी विकास, वैश्विक निवेश, नई तकनीक और युवाओं की भागीदारी के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में सरकार तेजी से कार्य कर रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि आने वाले समय में भारत को हर क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार पूरी तरह सक्रिय और प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल वैश्विक आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में आयोजित संवाद सत्र में बोल रहे थे। इस सम्मेलन का संयुक्त आयोजन विदेश मंत्रालय, फ्यूचर इकोनॉमिक कॉरपोरेशन काउंसिल तथा महाराष्ट्र सरकार द्वारा किया गया था। संवाद सत्र का संचालन FECIC के कार्यकारी निदेशक विजय चौधरीवाला ने किया।

पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार ने अगले दो दशकों में भारत को विश्व का अग्रणी राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार की विभिन्न पहलों के कारण देश विकास के एक नए युग की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई समग्र और जन-केंद्रित योजनाओं से देश के गरीब, वंचित और मध्यम वर्ग के नागरिकों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने ‘सबका साथ, सबका विकास’ के मंत्र के साथ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचने को प्राथमिकता दी है।

वित्तीय समावेशन और बुनियादी ढांचे में बड़े सुधार

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वित्तीय समावेशन, बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में बड़े सुधार किए गए हैं। गरीब परिवारों को आवास, स्वच्छता सुविधाएं, गैस कनेक्शन, मुफ्त खाद्यान्न और स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने वाली योजनाओं से जीवन स्तर में सुधार आया है। वंचित, पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया गया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर में रिकॉर्ड निवेश

उन्होंने कहा कि देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों, रेलways, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटल कनेक्टिविटी के विकास को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। ‘गति शक्ति’ जैसी पहलों के माध्यम से विभिन्न परियोजनाओं की समन्वित योजना बनाई जा रही है। उद्योग और निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है तथा विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं लागू की जा रही हैं।

युवाओं और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन

पीयूष गोयल ने कहा कि ‘स्टार्टअप इंडिया’ और ‘स्किल इंडिया’ जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को कौशल विकास और उद्यमिता के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। नए उद्यमियों को वित्तीय सहायता, मार्गदर्शन और वैश्विक बाजारों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, दोहरी डिग्री और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित कर भारतीय विद्यार्थियों को वैश्विक अनुभव देने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

तकनीक और पारदर्शिता पर जोर

उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के तहत सरकारी सेवाओं का लाभ ऑनलाइन माध्यम से नागरिकों तक पहुंचाया जा रहा है। डिजिटल लेन-देन, ई-गवर्नेंस और पारदर्शी तंत्र के माध्यम से भ्रष्टाचार पर नियंत्रण पाया गया है। विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचने से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भविष्य में भारत में निवेश, तकनीक और उद्यमिता के लिए अपार अवसर होंगे। विकसित देश भारत को उन्नत तकनीक, पूंजी और वैश्विक बाजारों से जोड़ने में सहयोग कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने भारतीय स्टार्टअप्स और युवा उद्यमियों से भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

पुणे मार्केट यार्ड में नींबू बिक्री नियंत्रण को लेकर बैठक– उपाध्यक्ष अन्ना बन्सोडे

मुंबई। पुणे मार्केट यार्ड में नींबू की बिक्री पर नियंत्रण से जुड़े मुद्दे के समाधान के लिए शीघ्र ही मार्केटिंग मंत्री के कार्यालय में एक बैठक आयोजित की जाएगी। यह जानकारी विधानसभा के उपाध्यक्ष अन्ना बन्सोडे ने दी। उन्होंने बताया कि इस बैठक में किसान प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा, ताकि सभी पक्षों की राय लेकर उचित निर्णय लिया जा सके।

इस संबंध में विधान भवन में आयोजित बैठक में प्रकाश जगताप, जिला उपनिबंधक (सहकारी संस्थाएं), पुणे ग्रामीण, माधवी शिंदे, अवर सचिव, विपणन विभाग, राजाराम धोंडकर, कृषि उपज मंडी समिति के प्रतिनिधि, अध्यक्ष प्रकाश जगताप तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि पिछले कुछ वर्षों से फल विभाग के स्थान पर सब्जी विभाग में डमी एजेंटों के माध्यम से नींबू की बिक्री की जा रही है, जिससे फल विभाग में कार्यरत मूल नींबू व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में यह आवश्यक है कि कृषि उपज मंडी समिति की उस नीति को सख्ती से लागू किया जाए, जिसके तहत नींबू की बिक्री केवल फल विभाग में ही की जानी चाहिए।

इस विषय पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों ने नियंत्रण के प्रभावी उपायों पर विचार-विमर्श किया और जल्द निर्णय लेने की आवश्यकता पर बल दिया।

शिव जयंती के अवसर पर विले पार्ले में ‘शिवकल्याण राजा’

छत्रपति शिवाजी महाराज पर गीतों का भव्य कार्यक्रम

मुंबई।छत्रपति छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर, सांस्कृतिक कार्य मंत्री अधिवक्ता आशीष शेलार की पहल पर सांस्कृतिक कार्य संचालनालय द्वारा प्रसिद्ध ऑडियो टेप ‘शिवकल्याण राजा’ के 52 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक विशेष गीत-कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में पंडित हृदयनाथ मंगेशकर की विशेष सहभागिता रहेगी। ‘शिवकल्याण राजा’ की संकल्पना शिवशाहीर स्व. बाबासाहेब पुरंदरे ने की थी तथा इसका संगीत पं. हृदयनाथ मंगेशकर ने रचा है। स्व. लता मंगेशकर द्वारा गाए गए इस अमर काव्यात्मक संगीत-रचना ने शिवभक्तों के हृदय में स्थायी स्थान बनाया है। इस ऐतिहासिक कृति के स्वर्णिम क्षणों को पुनर्जीवित करने हेतु यह कार्यक्रम प्रस्तुत किया जा रहा है। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार और गणमान्य व्यक्तित्व मुख्य मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहेंगे। कलाकार विभावरी आपटे, मनीषा निष्कल, अजीत परब और ऋतुजा तारे शिवगौरव गीत प्रस्तुत करेंगे। वाद्य कलाकारों में विवेक परांजपे, डॉ. राजेंद्र दुर्कर, अजय आत्रे, अपूर्वा द्रविड़, सचिन इंगले, केदार परांजपे, विशाल गंडतरवार, विक्रम भाट और ऋतुराज कोरे सहभाग लेंगे। कार्यक्रम का समन्वय मंदार कार्णिक और प्रसाद महाडकर करेंगे। यह भव्य कार्यक्रम गुरुवार, 19 फरवरी 2026, सायं 6.00 बजे, शिव जयंती के अवसर पर दीनानाथ मंगेशकर नाट्यगृह, विले पार्ले (पूर्व), मुंबई में आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क है। आयोजकों ने सांस्कृतिक कार्य मंत्री अधिवक्ता आशीष शेलार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक श्रोताओं से उपस्थित रहकर शिवगौरव गीतों का आनंद लेने की अपील की है।

प्राचीन एवं ऐतिहासिक तीर्थस्थलों के अभिलेख दर्ज करने की प्रक्रिया तुरंत पूरी की जाए– राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबई। राज्य के विभिन्न भागों में स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक तीर्थस्थलों की जानकारी एकत्र कर अधिकार अभिलेख (रिकॉर्ड ऑफ राइट्स) में दर्ज करने की प्रक्रिया तत्काल पूरी की जाए, ऐसे निर्देश राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने सभी जिलाधिकारियों को दिए हैं।

नागपुर स्थित महानुभाव स्थान महात्म्य अभियान के समन्वयक हरीहर पांडेय द्वारा सरकार से किए गए निवेदन के अनुसार, महानुभाव पंथ से जुड़े तीर्थस्थलों की जानकारी निर्धारित प्रपत्र (रिटर्न फॉर्म) में शासन को प्रस्तुत करने के निर्देश जिलाधिकारियों को दिए गए थे। इसी संदर्भ में आज मंत्रालय में आयोजित बैठक की समीक्षा राजस्व

मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने की।

बैठक में जिलाधिकारियों के कार्यालयों द्वारा यह जानकारी दी गई कि विभिन्न जिलों में स्थित महानुभाव तीर्थस्थल शासकीय, निजी, वन विभाग तथा ग्राम पंचायत क्षेत्रों में फैले हुए हैं। इस पर राजस्व मंत्री बावनकुले ने निर्देश दिए कि उपलब्ध दस्तावेजों की आवश्यकतानुसार जांच कर इन सभी तीर्थस्थलों के अभिलेख दर्ज करने की प्रक्रिया तुरंत पूर्ण की जाए।

उन्होंने कहा कि इन प्राचीन और ऐतिहासिक तीर्थस्थलों का विधिवत अभिलेखों में समावेश होने से उनके संरक्षण, विकास और भविष्य की योजनाओं के क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी।

गोसीखुर्द परियोजना में पुनर्वसन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश– राहत एवं पुनर्वसन मंत्री मकरंद जाधव-पाटील

मुंबई। राहत एवं पुनर्वसन मंत्री मकरंद जाधव-पाटील ने गोसीखुर्द परियोजना के पुनर्वसन कार्यों तथा पेंच परियोजना से संबंधित जल-अभाव निवारण कार्यों को शीघ्र गति से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। विदर्भ सिंचाई विकास महामंडल के अंतर्गत नागपुर और अमरावती प्रादेशिक मंडलों में राहत एवं पुनर्वसन विभाग के लंबित कार्यों की समीक्षा हेतु मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जलसंसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कपूर, वन विभाग के अपर मुख्य सचिव मिलिंद म्हैस्कर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मंत्री मकरंद जाधव-पाटील ने पेंच घाटी में जल-अभाव दूर करने के लिए ठोस उपाय करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि चिंचोली, हिंगना और काटा खमारी उपसा सिंचाई योजना के कार्यों के लिए प्रशासनिक मंजूरी के बाद राजस्व विभाग द्वारा निधि उपलब्ध कराई जाए।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने निर्देश दिए कि यह संपूर्ण कार्यवाही राजस्व, राहत एवं पुनर्वसन विभागों के समन्वय से की जाए।

बैठक में गोसीखुर्द पुनर्वसन परियोजना में अधूरी नागरिक सुविधाओं की वर्तमान स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की गई और उन्हें शीघ्र पूर्ण करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया।

सम्पादकीय

खाने की कीमत पूरी लेकिन थाली में भरोसे की कमी, रेलवे की सुविधाएं और दावे पर चिंता

भारतीय रेलवे के बारे में अक्सर यह दावा किया जाता है कि इसके समग्र संचालन को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा के समकक्ष बनाया जाएगा। मगर हकीकत यह है कि हादसों, सफर के दौरान निर्धारित समय पर गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने से लेकर ट्रेन के भीतर साफ-सफाई और खानपान के मामले में कई बार स्थिति बेहद दयनीय और खराब दिखती है।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिन ट्रेनों को विशेष सुविधा वाला बताया जाता है, उनमें परोसा गया भोजन भी अक्सर खराब निकल जाता है और यात्री ठगे-से रह जाते हैं। खबरों के मुताबिक, हर रोज पैंतीस से ज्यादा लोग रेलवे के खराब खाने को लेकर शिकायत करते हैं।

खाने में तिलचट्टा, दूसरे कीड़ों या अखाद्य वस्तुओं के मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। साथ ही, भोजन की मात्रा और तय कीमतों से ज्यादा राशि वसूलने की समस्या भी आम देखी जा सकती है। सवाल है कि अगर उच्च गुणवत्ता और सेवा का दावा करके खाने-पीने के मामले में भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, तो उसे कैसे देखा जाएगा।

सफर के दौरान यात्री थोड़ी सुविधा के लिए ट्रेन में मिलने वाला खाना पैसा चुका कर लेना चाहते हैं। कई ट्रेनों में सफर के दौरान टिकट के साथ खाने-पीने के सामान के लिए राशि चुकाने का भी विकल्प है। मगर विडंबना यह है कि पूरी कीमत चुकाने के बावजूद कई लोगों की थाली में ऐसा खाना होता है, जिसे खाया नहीं जा सकता।

ट्रेनों में मिलने वाले खराब खाने को लेकर आए दिन शिकायतें आती रहती हैं और कई बार विवाद भी होते हैं। ऐसी खबरें भी सामने आई, जिनमें भोजन के खराब होने पर आपत्ति जताने पर ट्रेन में मौजूद कर्मियों ने यात्री से दुर्व्यवहार किया।

खुद सरकार ने पिछले वर्ष जुलाई में राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि 2024-25 के दौरान खाने-पीने के सामान की खराब गुणवत्ता के संबंध में 6, 645 शिकायतें मिलीं। जबकि 2021 से अगले चार वर्षों में रेलवे को इस तरह की कुल 19, 174 शिकायतें मिलीं। ऐसे भी मामले होंगे, जिनमें किसी यात्री को खराब भोजन मिला, लेकिन उसने औपचारिक शिकायत नहीं की।

हालांकि रेल महकमे में कहने को एक ढांचा है, जिसके तहत गुणवत्ता में सुधार के लिए डिजाइन किए गए रसोई से खाना बनवाने और ट्रेनों तक पहुंचाने से लेकर खाना बनाने पर निगरानी, खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक की तैनाती और अच्छी सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने का दावा किया जाता है।

इसके अलावा, अगर खाने में अस्वच्छता या मिलावट पाई जाती है, खाना खराब हो, तो यात्री शिकायत करते हैं। कई मामलों में कार्रवाई भी होती है, जिसमें जुर्माना लगाना, अनुशासनात्मक कार्रवाई, काउंसलिंग करना और चेतावनी देना शामिल है।

खराब खाने की शिकायत के बाद भोजन की आपूर्ति करने वालों पर जुर्माना लगाने की खबरें आती हैं, लेकिन कुछ समय बाद फिर सब पहले की तरह चलता रहता है। सवाल है कि रेल मंत्रालय इसमें सुधार को लेकर कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाता कि ट्रेन में मिलने वाले भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता को लेकर यात्री पूरी तरह आश्वस्त रहें।

अगर रेलवे के लिए अपने तंत्र के तहत स्वच्छ भोजन मुहैया कराना संभव नहीं है, तो ट्रेनों में खाना देने का ठेका अलग-अलग कंपनियों को देने और उसमें बेहतर गुणवत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा की व्यवस्था बनाने की कोशिश क्यों नहीं की जाती?

हम साथ हैं, फिर भी अजनबी, तेजी से भाग रहे समय में सूखती स्मृतियां और संवेदना का संवाद

दुनिया के हर व्यक्ति के जीवन में स्मृति रहती है, चाहे बुरी हो या भली। उदासी के लिबास में लिपटे रहते हैं कभी कुछ सुख के क्षण, जिनमें मोह और ममता के अवशेष होते हैं। यह भी कि स्मृति को सामूहिकता से जोड़ दिया जाए, तो स्मृति जन-स्मृति बन जाती है। रेलगाड़ी में बैठकर सुख के स्टेशन पर उतरने जैसी स्मृतियां भी जीवन में होती हैं, तो कभी खत्म न होने वाली यात्रा बन जाती है स्मृति। यह व्यक्तिपरकता से सामूहिक-चेतना की ओर बढ़ने का साधन भी है, क्योंकि स्मृति संवादप्रिय होती है। हर युग का आदमी अपने मनोभावों को दूसरे तक पहुंचाने के लिए विकल रहा। जब वैज्ञानिक उपकरण नहीं थे, तब संप्रेषण के लिए प्रकृति के माध्यमों से काम चलाया। कभी कबूतर, कभी बादल संदेशवाहक बने, लेकिन किसी भी समय में कोई पवन, कबूतर बादल इतने समझदार नहीं रहे कि वे आदमी की भाषा, भावों को यथावत प्रेषित कर सके। इधर विज्ञान ने संवाद के लिए उपकरण खोजे हैं, जो प्रकृति की धड़कनों पर सवार होकर भावों और विचारों को सहजता से संप्रेषित करने लगे, तब से संप्रेषणीयता तो सहज हो गई, मगर विचारों में परिपक्वता प्रायः समाप्त हो गई। प्रतीक्षा इंसान के भीतर व्याकुलता पैदा करती है, लेकिन उसे भीतर से धीरज रखने का गुण भी सिखाती है।

हमारे जीवन की नियमितता की निरर्थकता भी एक सामाजिक आत्महत्या ही है। इसलिए दिनचर्या के निष्कर्ष ही भविष्य की नींव रखते हैं। दिनचर्या की स्मृति विमर्श खड़ा कर देते हैं, जिसमें मूल स्मृति कहीं विलोपित हो जाती है। अंत में हम उसी नए को स्मृति मानकर बहुत आगे निकल जाते हैं।

देती है, जब कोई कवि, सर्जक रच देता है उस दृश्य में बसे शब्द को और बच्चे गुनगुनाते हैं उसे प्रार्थनाओं में, तो कभी लोरी समझकर।

जीवन की उत्तर-मीमांसा है। इसमें जोड़-तोड़ की घनीभूत बातें होती हैं, तो सुख-दुख के हर्ष-शोकग्रस्त क्षण भी। आंसू की हिचकी ऊपर आए, तो शायद हम स्मरण कर सकें बहुत कुछ ऐसा जो अपने भीतर या अपने आसपास, अपने ही बीच से गुजरा हो। किसी की होड़ या दौड़ में जीवन खपाने वाले हम स्मृतियों का प्रतिबिंब देखना चाहते हैं, लेकिन उनसे संवाद करने का धैर्य नहीं जुटा पाते। विमर्शों को सीढ़ी बनाकर हम एक नया

दरअसल, हम जीवन के एकांत और मन के अंतरतम के यथार्थ से वंचित रह गए हैं। शायद इसलिए हमें पता नहीं कि पहाड़ों को लीपा नहीं, लांघा जाता है। पहाड़ों पर भटकाव के मोड़ों पर किसी फूल की सुगंध से कई बार रास्ते पार होते हैं। अंधेरा हो या रोशनी, अंकुर का बढ़ना नहीं रुकता। लता अपना गंतव्य खोज ही लेती है। किसी फूल का इशारा उसकी सुगंध ही देती है। तितलियों की आवाजाही उसे उत्सव में बदल

जिस विचार को लेकर हम स्वयं को बुद्धिजीवी समझते हैं, उस विचार की भूमिका केवल व्याख्याकार की नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व वहन करने वाली नैतिक चेतना की भी है। हमारी आंखों के सामने काफी बड़ा हिस्सा प्रतिदिन, अनवरत रेलों और बसों में यात्रा करता है। ऐसे में कितने गहरे और सूक्ष्म अनुभव जीवन में जुड़ते हैं। हम उनमें उतना ही याद रख पाते हैं, जितने से हमारा समय बाधित होता है। शेष को नजरअंदाज करना हमारे परस्पर मनुष्य होने पर संदेह पैदा करती है। हम एक-दूसरे के सामने होकर भी एक-दूसरे के सुख-दुख से कितने अपरिचित हैं! कभी-कभी लगता है आंसुओं का होना कितनी बड़ी आश्वस्ति है। आंसू ऐसी आर्द्रता हैं, जो धरती और हवा में भी नमी बचाए हुए हैं। शायद यही संवेदनशील या कारुणिक होने की अंतिम निशानी है। आंसू कई तरह से आंखों में भरते हैं और वे कैसे पोंछे जाते हैं, इस बात में इंसानियत के रहस्य छिपे हुए हैं। हमने नहीं जाना। इस तेज भागती दुनिया में कौन शर्मीले गड़रियों की तरह धीरे चलने का गुण रखता है? दुनियाभर की आत्मनिर्भर और अपने भरोसे खड़ी हुई महिलाओं का स्त्री विमर्श और गीली हवाओं-सी घुल मिल जाने वाली घर की मां-बहनों, भाभियों, चाचियों, बुआओं, बहुओं का स्त्री विमर्श कभी एक नहीं होता। भला ऐसा क्यों?

महानगरों में बन रही गगनचुंबी इमारतों के निकट मजदूर महिलाएं। उस स्त्री के जीवन में सुख है भी या नहीं, वह नहीं जानती, लेकिन वे सदा हारी हुई परिस्थिति में ही काम करती हैं। हम सबकी समस्याएं कितनी भिन्न हो गईं? ध्वनि में यह अद्भुत गुण है कि एक क्षण में ही वह हमें किसी दूसरे समय-संदर्भ में पहुंचा सकती है, लेकिन उन तक पहुंचने का मार्ग हमने ही दुर्गम बना दिया है। कुछ हमारे ही निर्मित कानफोड़ू शोर, तो कुछ हमारी अतिव्यस्तताओं में हमें हमारे ही भीतर की ध्वनि सुनाई नहीं देती, आगे की दुनिया दिखाई नहीं देती। हम केवल उस दुनिया को जीते हैं, जो समय पूरा करते हुए आगे बढ़ती है। प्रगतिशीलता के नए दौर में निजता के अभिजात में लफ्फाजी से छुटकारा पाना सहज नहीं। शायद इसलिए इन दिनों संवेदनशील युवकों के चित्त में भी एक विचित्र प्रकार का अजनबीपन, संत्रास, असहाय वृत्ति और निराशा का वातावरण बना हुआ है।

स्मृति भले ही हमारे भीतर सूख जाए, लेकिन पानी की कुछ मिकदार (मात्रा) आंखों में बची रहे। यही क्रूर समय में मानवीय सभ्यता का सबसे मार्मिक दृश्य है, जो सब कुछ भूल जाने के बाद भी यह बचाए रखता है कि वह मनुष्य हो। ठीक उसी तरह जैसे फूल, तितली और शब्द। एक कविता की पंक्तियां हैं- 'तुम्हारे भीतर पानी सूख रहा है/ तुम्हारे भीतर हवा खत्म हो रही है/ और तुम्हारे समय पर कोई और कब्जा कर रहा है।' मौन निशब्द है, लेकिन यह भाषा है, भाव, शब्द, अर्थ, साधना, भक्ति, शक्ति, सामर्थ्य, ज्ञान, सुंदर और मुखर भी है। यह अमूल्य आभूषण भी है। मौन को जितनी भी उपाधि दी जाए, कम ही है। यह कमजोरी नहीं है, बल्कि यह शक्तिशाली है। कभी-कभी हम बोलकर शब्दों के जरिए जितना सटीक अपने आप को अभिव्यक्त नहीं कर पाते हैं, उससे ज्यादा चुप रहकर बोल लेते हैं।

शुरु से ही विवादों में घिरे रहे हैं लोकसभा अध्यक्ष बिरला

देश में संसद की गरिमा में गिरावट जारी है। लोकसभा स्पीकर जैसा गरिमामय और संवैधानिक पद विवादास्पद बना हुआ है। लगभग समूचा विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ बांहे चढ़ाए हुए है। बिरला पर विपक्ष लंबे समय से पक्षपात करने का आरोप लगाता आ रहा है। स्पीकर बिरला पर विपक्षी सदस्य लगातार उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन और सत्तापक्ष की खुलेआम पैरवी करने का आरोप लगाते रहे हैं। इस बार भी मुद्दा यही है। विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है। हालांकि, गणित और इतिहास को देखें तो उन्हें हटाना बेहद मुश्किल है, लेकिन यह कदम आने वाले दिनों में संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कड़वाहट को और बढ़ा सकता है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सदन में भाषण होना था। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दावा किया उनके आग्रह पर प्रधानमंत्री मोदी सदन में उपस्थित नहीं हुए। ओम बिरला ने कहा कि मेरे पास ऐसी पुख्ता जानकारी आई कि कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य प्रधानमंत्री के आसन पर पहुंचकर कोई भी अप्रत्याशित घटना कर सकते थे। अगर यह घटना हो जाती तो यह अत्यंत अप्रिय होता, जो देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार कर देती। ओम बिरला के इस दावे पर विपक्ष की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि यह पूरी तरह झूठ है, पीएम को चोट पहुंचाने का सवाल ही नहीं था।

जून 2024 में दूसरी बार लोकसभा स्पीकर चुने जाने के बाद भी ओम बिरला पर आरोप लगा था कि वो विपक्षी सांसदों को बोलने का मौक़ा नहीं दे रहे हैं। तब भी ओम बिरला पर ये आरोप विपक्षी दल लगाते रहे हैं कि वो सत्ता के इशारे पर काम करते हैं जबकि स्पीकर का पद संवैधानिक पद है। जून 2024 में ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जब नीट परीक्षाओं के मुद्दे पर बोलने को खड़े हुए तो वो स्पीकर ओम बिरला से माइक देने (ऑन करने) की बात कहते सुनाई दिए। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि ज़रूरी मुद्दों पर माइक छीनकर युवाओं की आवाज़ को दबाया जा रहा है। हालांकि ओम बिरला ने कहा कि लोकसभा में माइक बंद नहीं करता हूं, यहां कोई बटन नहीं होता है।

ये पहला मौक़ा नहीं है जब विपक्ष और ओम बिरला के बीच तनातनी देखी गई। इससे पहले भी ओम बिरला विवादों में रह चुके हैं और उन पर विपक्ष सत्ता पक्ष की तरफ़ झुके रहने का आरोप लगा चुका है। संसद के शीतकालीन सत्र 2023 के दौरान 141 सांसदों को निलंबित किया गया था। इनमें 95 लोकसभा और 46 राज्यसभा सांसद शामिल थे। इससे पहले इतनी बड़ी संख्या में सांसदों का निलंबन नहीं हुआ था। इस निलंबन को अभूतपूर्व कहा गया था। इससे पहले 15 मार्च, 1989 को लोकसभा से 63 सांसदों को निकाला गया था। संसद में सुरक्षा चूक को लेकर सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे, जिसके बाद निलंबन की कार्रवाई की गई थी।

भारतीय संविधान में स्पीकर के पद को बहुत सुरक्षित रखा गया है ताकि वे बिना किसी डर या पक्षपात के काम कर सकें। अनुच्छेद 94 (सी) के तहत उन्हें हटाने की प्रक्रिया कुछ इस प्रकार है। प्रस्ताव लाने से कम से कम 14 दिन पहले इसकी लिखित सूचना देनी होती है। स्पीकर को हटाने के लिए सदन के तत्कालीन

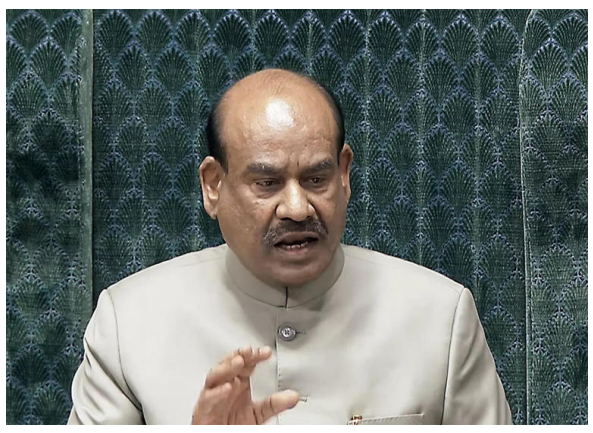

कुल सदस्यों के बहुमत की आवश्यकता होती है। अर्थात उस समय जितने सदस्य पद पर हैं, उनमें से 50इ से अधिक का समर्थन जरूरी है। जब प्रस्ताव पर चर्चा होती है, तब स्पीकर सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकते, हालांकि वे सदन में मौजूद रह सकते हैं और वोट डाल सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 96 के तहत अध्यक्ष को अपना बचाव करने का भी अधिकार दिया गया है।

आजाद भारत के इतिहास में ऐसे मौके बहुत कम आए हैं, जब लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया हो, लेकिन जब भी लाया गया तब विपक्ष ने संसदीय राजनीति को हिलाकर रख दिया। भारत के पहले लोकसभा स्पीकर जी.वी. मावलंकर के खिलाफ 18 दिसंबर 1954 को पहला अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। इसे विग्नेश्वर मिश्रा और अन्य विपक्षी नेताओं ने पेश किया था। उस समय नेहरू युग था और विपक्ष का तर्क था कि स्पीकर सरकार के प्रभाव में काम कर रहे हैं। हालांकि, भारी बहस के बाद यह प्रस्ताव गिर गया और मावलंकर अपने पद पर बने रहे।

तीसरी लोकसभा के दौरान स्पीकर हुकुम सिंह पर भी पक्षपात के आरोप लगे। समाजवादी नेता मधु लिमये द्वारा ये प्रस्ताव लाया गया था। वह दौर राजनीतिक रूप से बहुत उथल-पुथल वाला था। विपक्ष ने उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठाए, लेकिन संख्या बल न होने के कारण यह प्रस्ताव भी सफल नहीं हो सका। आठवीं लोकसभा के दौरान बलराम जाखड़ के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाने की कोशिश हुई। इसे सीपीएम के सांसद सोमनाथ चटर्जी ने पेश किया था। उस समय बोफोर्स जैसे मुद्दों पर सदन में भारी गतिरोध था। लेकिन कांग्रेस के पास भारी बहुमत होने के कारण विपक्ष का यह प्रयास महज एक प्रतीकात्मक विरोध बनकर रह गया। अक्सर विपक्ष ऐसे प्रस्ताव केवल अपनी नाराजगी दर्ज कराने और जनता का ध्यान खींचने के लिए लाता है। स्पीकर हमेशा सत्ता पक्ष या गठबंधन का होता है जिसके पास बहुमत होता है। जब तक सरकार के पास नंबर हैं, स्पीकर को हटाना नामुमकिन जैसा है।

यूनुस गए, शर्तें रह गईं
क्या अमेरिका से समझौते की कीमत चुकाएगा बांग्लादेश

एक कहावत है, 'सिर मुंडाते ही ओले पड़े'। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान पहले देश की समस्याओं से दो-चार हों, या अमेरिका से? यह सवाल सबको परेशान किए हुए है। अंतरिम सरकार और अमेरिका के बीच हुए आपसी व्यापार समझौते ने बांग्लादेश की आर्थिक संप्रभुता पर सवाल उठाए हैं, खासकर व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा से जुड़े फैसलों में। मुहम्मद यूनुस की सलाह वाली अंतरिम सरकार को सिर्फ कुछ दिनों तक रहना था, उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव सुचारु रूप से कराने तक थी। इसलिए यह सवाल उठा है कि मुख्य सलाहकार अमेरिका से समझौता कैसे कर सकते थे! तारिक रहमान के शपथ लेने के बाद यों भी मुहम्मद यूनुस का नई सरकार से कोई लेना-देना नहीं रह जाता है, फिर उन्होंने जल्दबाजी में अमेरिका से बाध्यकारी समझौता कैसे कर लिया?

आलोचक कई बाध्यकारी शर्तों वाले प्रावधानों की ओर इशारा करते हैं, जो यह बताते हैं कि अगर बांग्लादेश वाशिंगटन की शर्तों पर नहीं चला, तो भारी शुल्क फिर से आयद हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, समझौते में डिजिटल कारोबार सुविधा के प्रावधानों को देखा जा सकता है। अमेरिका से हुए समझौते में कहा गया है कि अगर बांग्लादेश किसी ऐसे देश के साथ नया डिजिटल व्यापार समझौता करता है, जो अमेरिका के जरूरी हितों को खतरे में डालता है, तो वाशिंगटन इस समझौते को खत्म कर सकता है और बांग्लादेशी निर्यात पर 37 फीसद शुल्क फिर से लगा सकता है।

यही शुल्क दर अमेरिका ने अप्रैल 2025 में प्रस्तावित की थी। नए समझौते में कहा गया है कि अगर बांग्लादेश के साथ बातचीत से अमेरिकी चिंताओं का समाधान नहीं होता है, तो अमेरिका इस समझौते से हट सकता है। इसके बाद अगर वह 37 फीसद शुल्क फिर से लागू कर दे, तो यह इतना ज्यादा है कि बांग्लादेश का अमेरिका को किया जाने वाला निर्यात तेजी से कम हो जाएगा।

यह एक महंगा सौदा है, क्योंकि यह दक्षिण एशियाई देश अपने निर्यात राजस्व का लगभग पांचवां हिस्सा अमेरिकी खरीदारों को बेचे जाने वाले कपड़ों और दूसरे सामान से कमाता है। एक तरह से डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस समझौते के जरिये बांग्लादेश को आर्थिक नकेल पहना दी है।

ऐसा लगता है कि नई सरकार के आने तक ट्रंप प्रशासन को सब्र नहीं था। और इसी वजह से यह आशंका जताई जा रही है कि अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस वाइट हाउस के दबाव में काम कर रहे थे। यूनुस चाहते तो इस समझौते को कुछ दिन टाल सकते थे। नौ फरवरी को अंतरिम सरकार और ट्रंप प्रशासन के बीच हुआ समझौता बांग्लादेश को 'किसी ऐसे देश से कोई भी परमाणु संयंत्र, फ्यूल रॉड या संवर्धित यूरेनियम खरीदने से भी रोकता है, जो अमेरिका के जरूरी हितों को 'खतरे में' डालता है।'

बांग्लादेश ने अतीत में जो समझौते किए, उसे जारी रखने में कोई बाधा नहीं है, लेकिन नए समझौतों में उसे अमेरिकी हितों का ध्यान रखना होगा। उदाहरण के लिए रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। इसमें दो रिएक्टर हैं। यह परमाणु ऊर्जा संयंत्र ढाका से लगभग 160 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में पद्मा नदी के किनारे ईश्वरदी उपजिला के रूपपुर में बन रहा है। रूसी सहयोग से यह बांग्लादेश का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र होगा। इसकी दो इकाइयों में से पहली इकाई मार्च 2026 में चालू होने की उम्मीद है।

समझौते से पता चलता है कि रूसी स्टेट कार्पोरेशन रोसाटाम के जरिए रूसी तकनीक और वित्तीय सहायता से बने रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए आपूर्ति जारी रहने में दिक्कत नहीं है, लेकिन भविष्य में किसी भी परमाणु परियोजना पर कड़ी जांच हो सकती है। इस मसले पर बांग्लादेश के कुछ विशेषज्ञों ने भी चिंता जताते हुए कहा कि यह समझौते का सबसे जरूरी और विवादित हिस्सा है, क्योंकि यह हमारी संप्रभुता पर सवाल उठाता है।

अब अगर अमेरिका बांग्लादेश के साथ रक्षा समझौते को आसान बनाने और बढ़ाने के लिए काम करेगा, तो इससे बांग्लादेश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है। दरअसल, यह समझौता दुर्लभ भू-धातुओं की खोज, उसे निकालने, उसे तैयार करने, भेजे जाने, वितरित करने और निर्यात करने के लिए अमेरिकी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का रास्ता भी खोलता है।

यही नहीं, समझौता यह भी सुनिश्चित कर गया कि बांग्लादेश को साढ़े तीन अरब डालर के अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने होंगे। इसमें पांच वर्ष तक हर साल कम से कम सात लाख टन गेहूं, 1.25 बिलियन डालर मूल्य के 2.6 मिलियन टन सोया और सोया उत्पाद और कपास खरीदने होंगे। बांग्लादेश को शुरू में 14 बोइंग एयरक्राफ्ट और 15 साल में 15 बिलियन की तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) भी खरीदनी होगी।

इसके अलावा, अमेरिकी सैन्य साजो-सामान की ज्यादा खरीद करनी होगी और कुछ देशों से रक्षा उपकरण की खरीद पर सीमा भी लगानी होगी। इस संदर्भ में देखें तो विशेषज्ञों की यह आशंका समझी जा सकती है कि यह मुक्त व्यापार के बजाय थोपी हुई जिम्मेदारी ज्यादा है। यह असल में अमेरिकी कंपनियों और वहां के किसानों के लिए मुनाफे को पक्का करता है।

इस संदर्भ में 'साउथ एशियन नेटवर्क आन इकोनामिक माडलिंग' की ओर से उठाई गई चिंता भी गौरतलब है कि बांग्लादेश को सस्ते विकल्प मौजूद होने पर भी ज्यादा महंगा सामान खरीदने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इससे बांग्लादेश के विदेशी लेनदेन पर और दबाव पड़ेगा। सवाल है कि फिर बांग्लादेश एयरक्राफ्ट खरीदने और ऊर्जा आयात के लिए पूंजी कैसे लगाएगा?

स्वाभाविक तौर पर इससे विदेशी ऋण पर निर्भरता बढ़ने का खतरा है। ऐसी चिंताएं भी सामने आई हैं कि अमेरिका से समझौते के बाद बांग्लादेश को अब कच्चे माल के लिए चीन पर अपनी निर्भरता कम करनी होगी। कुल मिलाकर, 'यूनुस गए, मगर समस्या छोड़ गए' वाली स्थिति पैदा हो चुकी है। मुहम्मद यूनुस को 'अमेरिका के करीबी' के तौर पर देखा जाता रहा है। इस तथ्य की पुष्टि के लिए बिल क्लिंटन परिवार से उनकी निकटता के कई उदाहरण दिए जाते हैं।

हालांकि यह भी एक सार्वजनिक तथ्य है कि यूनुस का अकादमिक करिअर अमेरिका में बना। बिल क्लिंटन ही नहीं, बाद के राष्ट्रपतियों, जो बाइडन से लेकर डोनाल्ड ट्रंप तक से उन्होंने बेहद करीबी संबंध बनाए रखा। इन अन्योन्याश्रय संबंधों का फायदा उनके परिवार को मिलने के भी आरोप लगाए जाते रहे हैं।

सच यह है कि मुहम्मद यूनुस ने अपने कार्यकाल में जो कुछ किया, उसकी सही से जांच हो, तो कई नकारात्मक सूचनाएं भी लोगों को निराश करेंगी। मगर जो सकारात्मक पक्ष है, वह यह है कि बांग्लादेश में समय पर शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव हो गया। यह दीगर बात है कि तेरह फरवरी को बांग्लादेश में चुनाव के नतीजे आने के ठीक बाद मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के विशेष सहायक फैज अहमद तैयब जर्मनी चले गए।

इस 'अचानक प्रस्थान' ने यूनुस के साथियों के 'सुरक्षित निकलने' की बातों को पुख्ता करना शुरू कर दिया है। अब आशंका यह भी जताई जा रही है कि क्या मुहम्मद यूनुस भी अमेरिका या यूरोप के किसी देश में जाने की तैयारी में हैं!

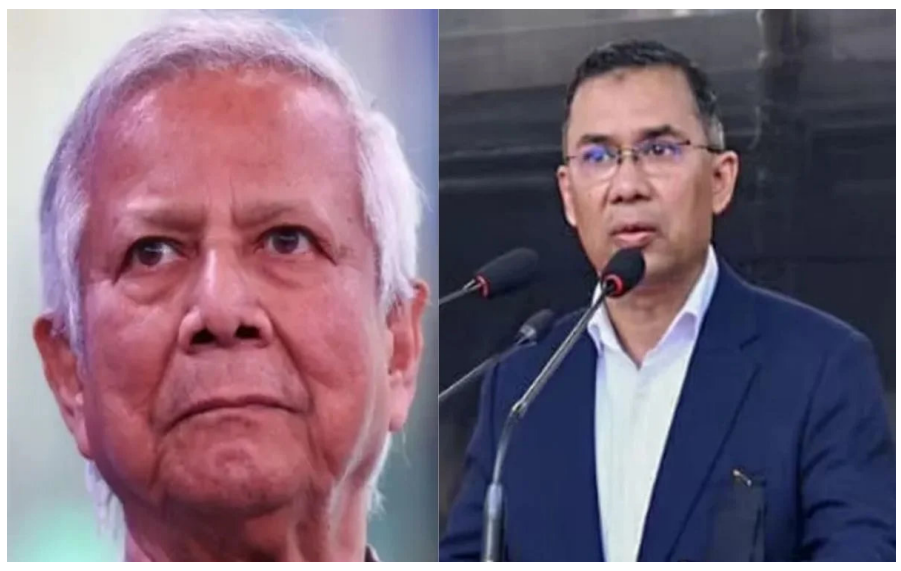

टेंपो सवार बदमाशों ने मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर से 10 हजार छीने

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े टेंपो सवार बदमाशों द्वारा एक प्रोफेसर से नगदी छीनने का मामला सामने आया है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, लाल बहादुर शास्त्री होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. सत्य प्रकाश रवि सहसो से फाफामऊ जाने के लिए टेंपो में सवार हुए थे। आरोप है कि रास्ते में टेंपो में मौजूद कुछ युवकों ने उनसे कहासुनी शुरू कर दी। देखते ही देखते गाली-गलौज होने लगी। इसी दौरान बदमाशों ने उनकी जेब में रखे 10 हजार रुपये निकाल लिए और मौके टेंपो सहित भाग निकले। घटना दो दिन पहले सोमवारदोपहर की है। पीड़ित प्रोफेसर ने तत्काल डायल 112 पुलिस को सूचना दी। बुधवार को लिखित सूचना थरवई पुलिस को दी पुलिस घटना की जांच

जेईई मेन 2026 सेशन 1 में दिल्ली के श्रेयस मिश्रा ने हासिल किए 100 परसेंटाइल, विद्यामंदिर क्लासेस का बढ़ाया मान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। देश की सबसे प्रतिस्पर्धी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में से एक जेईई मेन 2026 के सेशन 1 में दिल्ली के श्रेयस मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 परसेंटाइल हासिल किया है। विद्यामंदिर क्लासेस के 2 वर्षीय क्लासरूम कोर्स के छात्र श्रेयस ने अपनी निरंतर मेहनत, कॉन्सेप्ट की गहरी समझ और अनुशासित तैयारी के दम पर यह उपलब्धि प्राप्त की है।

100 परसेंटाइल हासिल करना बेहद दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है। यह केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि मजबूत मानसिक संतुलन, परीक्षा के प्रति रणनीतिक दृष्टिकोण और लगातार अभ्यास का परिणाम होता है। श्रेयस की सफलता ने एक बार फिर विद्यामंदिर क्लासेस की मजबूत शैक्षणिक परंपरा और व्यवस्थित क्लासरूम तैयारी की प्रभावशीलता को प्रमाणित किया है। इस अवसर पर विद्यामंदिर क्लासेस के को फाउंडर और

आईआईटी दिल्ली अलुम्नस श्याममोहन गुप्ता ने कहा, 'हमें श्रेयस मिश्रा पर बेहद गर्व है कि उन्होंने जेईई मेन 2026 सेशन 1 में 100 परसेंटाइल हासिल किया। यह उपलब्धि उनकी अथक मेहनत, जिज्ञासु सोच और अनुशासित तैयारी का परिणाम है। विद्यामंदिर क्लासेस में हमारा फोकस हमेशा मजबूत कॉन्सेप्ट बिल्डिंग, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और निरंतर अकादमिक मेंटरिंग पर रहा है। श्रेयस इस बात का उदाहरण हैं कि सही मार्गदर्शन और छात्र की प्रतिबद्धता मिलकर किस तरह परिणाम दे सकती है। उनकी सफलता सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि देशभर के हजारों इंजीनियरिंग अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा है। हम उन्हें और उनके परिवार को बधाई देते हैं और आगामी चरणों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।' विद्यामंदिर क्लासेस के 2 वर्षीय क्लासरूम कोर्स में नामांकित श्रेयस को एक सख्त और सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम का लाभ मिला, जो फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स में गहरी कॉन्सेप्चुअल समझ विकसित करने पर केंद्रित है। इस कोर्स में नियमित टेस्ट, विस्तृत परफॉर्मेंस एनालिसिस, डाउट क्लियरिंग सेशन और पर्सनलाइज्ड मेंटरिंग शामिल हैं, जिन्होंने उनकी तैयारी को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्थान के फैकल्टी सदस्यों के अनुसार, श्रेयस ने हर टेस्ट में विश्लेषणात्मक सोच, शांत स्वभाव और अपनी गलतियों से सीखने की निरंतर इच्छा का परिचय दिया। अपनी सफलता पर श्रेयस ने अपने शिक्षकों और परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अनुशासित स्टडी शेड्यूल, मॉक टेस्ट का गहन विश्लेषण और मजबूत कॉन्सेप्ट क्लैरिटी उनकी सफलता की मुख्य कुंजी रहे। उन्होंने यह भी बताया कि पूरी तैयारी के दौरान फोकस और आत्मविश्वास बनाए रखना बेहद आवश्यक है।

जेईई मेन के सेशन 2 और आगे की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं से पहले श्रेयस की यह उपलब्धि एक ऊंचा मानदंड स्थापित करती है और देशभर के अभ्यर्थियों को प्रेरित करती है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि सुव्यवस्थित तैयारी, अनुभवी मार्गदर्शन और अटूट संकल्प से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

धर्मेंद्र प्रधान और जयन्त चौधरी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में एमएसडीई पवेलियन का दौरा किया

प्रयागराज। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने आज भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट

समिट 2026 में कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के पवेलियन का दौरा किया। इससे भारत सरकार की यह प्रतिबद्धता उजागर हुई कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को समावेशी विकास और मानव संसाधन विकास को उत्प्रेरक के रूप में स्थापित किया जाए।

जेलों में बनाए गए आठ परीक्षा केंद्रो पर परीक्षा दें रहे 360 कैदी

प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने जेलों में भी आठ परीक्षा केंद्र बनाए हैं। जेलों में बंद 176 कैदी हाई स्कूल की परीक्षा में शामिल हो रहे है जबकि 184 कैदी इंटरमीडिएट की परीक्षा में शामिल हो रहे है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपित गिरफ्तार

उप निरीक्षक अर्जुन सिंह की सक्रियता से आरोपी दबोचा गया

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और गर्भपात कराने के आरोप में वांछित चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।थरवई क्षेत्र केपण्डिला गांव निवासी सूरज तिवारी पर आरोप है कि उसने पड़ोसी गांव के युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले में थरवई थाने के उप निरीक्षक अर्जुन सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए टीम के साथ आरोपी की तलाश शुरू की। उनकी रणनीति और लगातार दबिश के चलते आरोपी को बुधवार दोपहर करीब एक बजे पान की पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी में उप निरीक्षक जितेंद्र सिंह भी शामिल रहे।पुलिस ने आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वहीं पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा गया है।थरवई पुलिस का कहना है कि प्रकरण में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

बोर्ड परीक्षा में बाधा डाल रहा डीजे प्रशासन मौन

कई बार शिकायत के बावजूद कार्यवाही शून्य

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज थरवई थाना क्षेत्र के पंडिला महादेव में इन दिनों डीजे ने आतंक मचा रखा है आलम यह है कि प्रतिदिन दर्जनों डीजे बस्ती में बज रहे हैं जबकि पास में ही इंटर कॉलेज , बैंक प्राथमिक विद्यालय भी प्रभावित हो रहा हैं जबकि बोर्ड की परिक्षा चल रही है बच्चों के पढ़ने में कितनी दिक्कतें आ रही है शायद इस बात पर प्रशासन गम्भीर नहीं है पूर्व में एसीपी थरवई चंद्रपाल से शिकायत करने पर मंदिर गेट के अलावा मंदिर से सौ मीटर दूरी पर डीजे प्रतिबंधित एरिया के पोस्टर लगवा दिया गया जिसका आदेश की धज्जियां रोज उड़ाई जा रही हैं डीजे बिना मानक के तेज आवाज फूहड़ डायलॉग के साथ सड़कों पर कंपटीशन कर रहे हैं सड़कों का जाम होना आम बात है कई बार प्रयास के बाद भी कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी बस्ती के लोगों के लिए डीजे शॉप बन गया है और किसी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

कोर में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए विशिष्ट रेल सेवा

पुरस्कार का आयोजन कार्यालय प्रांगण में अपर सदस्य रेल विद्युतीकरण श्रीरामेन्द्रकुमारतिवारी/रेलवे बोर्ड/नई दिल्ली की गरिमामयी उपस्थिती में आयोजित किया गया।

उत्कृष्ट कार्य हेतु विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार कल्याण सिंह/उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/कोर को अपर सदस्य द्वारा विशिष्ट प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटों प्रदान किया गया। तत्पश्चात भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यालय एवं परियोजना से बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निसान ने ऑल न्यू निसान ग्रेवाइट को लॉन्च करने का एलान किया

निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने आज 5.65 लाख रुपये की आकर्षक शुरुआती कीमत में ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट को लॉन्च करने का एलान किया। बोल्ड और गेम चेंजिंग 7-सीटर एमपीवी ग्रेवाइट भारत में निसान के सफर के नए अध्याय की शुरुआत है। भारत से प्रेरित मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया ग्रेवाइट भारत में निसान मोटर इंडिया के नवीनतम प्रोडक्ट ऑफेंसिव का पहला प्रोडक्ट है। यह भारत में कंपनी की मजबूत प्रतिबद्धता और मौजूदगी को दर्शाता है।

जीडी फूड्सटॉप्सने करीना कपूर के साथ 'फूडीज़ का चॉइस' के तहत लॉन्च किया'टेस्ट फर्स्ट कैंपेन'

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जी.डी. फूड्स मैन्युफैक्चरिंग (आई) प्राइवेट लिमिटेडजो अपने ब्रांड टॉप्सके तहत सॉस, अचार और अन्य खाद्य उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला की मार्केटिंग करती है और जिसे भारत की अग्रणी फूड एफएमसीजीकंपनियों में से एक एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेडका समर्थन प्राप्त है, ने आज अपने नए ब्रांड कैंपेन 'फूडीज़ का चॉइस' के तहत टॉप्स का नवीनतम टेलीविजन कमर्शियल (टीवीसी) लॉन्च करने की घोषणा की।

भक्ति, प्रेम और आनंद की दिव्य परंपरा को नमन, भक्ति ही जीवन का सर्वोच्च आनंद है : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माँ काली के अनन्य उपासक, अद्वैत अनुभूति के मूर्त स्वरूप स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी की पावन जयंती तथा भगवान श्रीकृष्ण के परम प्रेममय भक्त, हरिनाम संकीर्तन द्वारा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जागरण के प्रणेता चैतन्य महाप्रभु की जयंती के पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी शुकदेवानन्द ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुये कहा कि भारत की संत परंपरा अद्भुत, जीवंत और प्रकाशमयी है, जिसने मानवता को प्रेम, सेवा, करुणा और भक्ति का सरल मार्ग दिखाया। हमारे पूज्य संतों ने त्याग और तप के साथ आनंदपूर्ण जीवन जीते हुए समाज को आध्यात्मिक दिशा दी। उनकी वाणी और साधना आज भी हमारे हृदय में शांति, विश्वास और ईश्वरानुभूति का दीप प्रज्वलित करती है। सुशील कुमार शिंदे जी, पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री, भारत एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री दर्शनार्थ आये परमार्थ निकेतन। पूज्य स्वामीजी के पावन सान्निध्य में विश्व विख्यात गंगा जी की आरती में किया सहभाग। स्वामीजी ने कहा कि उनका सार्वजनिक जीवन समर्पण, सादगी और जनसेवा का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने प्रशासनिक कुशलता, संवेदनशील नेतृत्व और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति निष्ठा के साथ देश और राज्य की सेवा की।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भक्ति ही जीवन का सर्वोच्च आनंद है। यही वह दिव्य शक्ति है जो मन को निर्मल, बुद्धि को प्रखर और आत्मा को चेतन बनाती है। भक्ति में डूबा हृदय भय, तनाव और अहंकार से मुक्त होकर प्रेम, शांति और प्रकाश का स्रोत बन जाता है। यही ईश्वर से मिलन का सबसे श्रेष्ठ मार्ग है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी का जीवन इस सत्य का जीवंत प्रमाण था। दक्षिणेश्वर के काली मंदिर में उनका हर क्षण माँ के चरणों में अर्पित था। उनकी भक्ति में बालक जैसी सरलता, माँ के प्रति अगाध विश्वास और पूर्ण समर्पण था। वे ईश्वर को देखने, उनसे बात करने और उन्हें जीने का अनुभव करते थे। उनके लिए भक्ति, साक्षात् अनुभूति थी। जब वे माँ काली के ध्यान में लीन होते, तो साधक और साध्य का भेद मिट जाता था। उनकी आँखों से बहते आँसू, उनके होंठों पर मुस्कान और उनकी आत्मविभोर अवस्था बताती थी कि सच्ची भक्ति ही परम आनंद का द्वार है। दूसरी ओर चैतन्य महाप्रभु ने भक्ति को केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जन-जन के हृदय तक पहुँचाया। उन्होंने हरिनाम संकीर्तन को सामाजिक और आध्यात्मिक क्रांति का माध्यम बनाया। सड़कों पर नाचते-गाते, 'हरे कृष्ण' का नाम गूंजाते हुए उन्होंने लोगों को बताया कि ईश्वर दूर नहीं, हमारे ही हृदय में वास करते हैं। उनका कीर्तन भी एक उत्सव था। उनके प्रेम और करुणा ने समाज में भेदभाव, अहंकार और निराशा को मिटाकर एक नई चेतना जगाई।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि अब समय आ गया कि हम अपने घरों में भजन-कीर्तन की परंपरा पुनः जीवित करें। युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ें। भक्ति को अपने व्यवहार और कर्म में उतारें। आइए, इन दिव्य संतों की प्रेरणा से संकल्प लें कि अपने जीवन को भक्ति के प्रकाश से आलोकित करेंगे और प्रेम, शांति तथा सद्भाव का संदेश समाज में प्रसारित करें। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

हाईस्कूल, इण्टर हिन्दी की परीक्षा 313708 परीक्षार्थियों ने छोडी, नकल करते हुए तीन परीक्षार्थी पकडे गये, पांच जिलों में पांच फर्जी परीक्षार्थी पकडे गये

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की परीक्षाएं आज से शुरू हो गयी हैं। पहले दिन हाईस्कूल और इण्टर की परीक्षा में 313708 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड दी है। हाईस्कूल की परीक्षा में 2754376 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जबकि परीक्षा में 2583055 परीक्षार्थी शामिल हुए और 171321 परीक्षार्थी अनुपस्थित थे। द्वितीय पाली हिन्दी की परीक्षा में 2499370 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें 2356983 परीक्षा मे शामिल हुए और 142387 अनुपस्थित रहे। सचिव भगवती सिंह ने बताया कि तीन नकलची पकडे गये है। उन्होने बताया कि आगरा, फतेहपुर, कन्नौज, कौशाम्बी और इटावा में एक - एक परीक्षार्थी दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकडे गये है।

हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा प्रदेश के 75 जिलों के 8033 केंद्रों पर हो रही है। हाईस्कूल के 27 61696 और इंटर के 257682 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस तरह से कुल मिलाकर 5337 778 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे है।

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं दो पालियों सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे और शाम 2:00 बजे से 5:15 बजे तक आयोजित हुई। यूपी बोर्ड ने नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से परीक्षा के लिए व्यापक तौर पर इंतजाम किए हैं। सीसीटीवी निगरानी में होगी परीक्षा और केंद्र व्यवस्थापकों की जवाबदेही तय की गई है।

यूपी बोर्ड ने प्रदेश के 18 जिले संवेदनशील घोषित किए हैं। इन 18 जिलों में 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील परीक्षा केंद्र चिन्हित किए हैं। अति संवेदनशील 20 परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए गये है। नकल रोकने के लिए पुलिस और यूपी एसटीएफ लगी हुई है। बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर एलआईयू को भी सक्रिय कर दिया गया है। अति संवेदनशील और संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की हर दिन कम से कम दो बार चेकिंग हो रही है। नकल करते पकड़े जाने पर परीक्षार्थी के खिलाफ विभाग के नियमों के अनुसार कार्यवाही और उसे एक साल के लिए परीक्षा से डिबार किया जाएगा, जबकि शिक्षक, प्रबंधन या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नकल करते पकड़े जाने पर 2024 के यूपी सरकार के नकल विरोधी कानून के तहत सख्त कार्रवाई की तैयारी है जिसमें 7 साल की सजा और एक करोड़ जुर्माने तक का प्रावधान किया गया है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि परीक्षा की सुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन मानीटरिंग हो रही है। प्रदेश मुख्यालय पर दो कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाए गए हैं जबकि यूपी बोर्ड मुख्यालय में भी एक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाया गया है। यूपी बोर्ड मुख्यालय में 18 मंडलों 75 जिलों पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। पांचों क्षेत्रीय कार्यालयों और हर जिले के डीआईओएस दफ्तर में भी कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां पर भी सीसीटीवी से परीक्षा केंद्रों और स्ट्रांग रूम की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है। बोर्ड परीक्षा में 8140 केंद्र व्यवस्थापक, इतने वाह्य केंद्र व्यवस्थापक और इतने ही स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। 1283 सेक्टर और 439 जोनल मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। बोर्ड परीक्षा में 58 मंडलीय सचल दल बनाए गए हैं।बोर्ड परीक्षा में कुल 428 सचल दल बनाए गए हैं। बोर्ड परीक्षा में 16 राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक मंडलों के लिए नोडल बनाए गए हैं। बोर्ड परीक्षा में 75 राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक जिलों के लिए नोडल बनाए गए हैं। बोर्ड परीक्षा में सभी 75 जिलों में कंट्रोल रूम डीआईओएस दफ्तर में बनाया गया है। क्षेत्रीय कार्यालय में पांच और राज्य स्तरीय तीन कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। सभी जिलों और परीक्षा केंद्रों पर सभी विषयों के प्रश्न पत्रों के रिजर्व सेट रखे गए हैं।प्रयोगात्मक परीक्षा में पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन अंक अपलोडिंग की व्यवस्था की गई है। उत्तर पुस्तिकाएं ए4 पोर्ट्रेट आकार में और सभी प्रस्तों पर बोर्ड का लोगो और सूक्ष्म आकार के यूपीएमएसपी अंकन द्वारा मार्जिन लाइन का मुद्रण किया गया है।निःशुल्क पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के 20 अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर जैमर की व्यवस्था की गई है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने आज बताया कि पहले दिन हाई स्कूल की हिंदी और प्रारंभिक हिंदी विषय की परीक्षा पहली पाली में हुई जबकि इंटर की हिंदी और सामान्य हिंदी विषय की परीक्षाएं दूसरी पाली में हुई । इस दौरान परीक्षा सकुशल संपन्न हुई, किसी भी परीक्षा केन्द्र से गडबडी की कोई सूचना नही है। हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा प्रदेश के 75 जिलों के 8033 केंद्रों पर हो रही है। हाईस्कूल के 27 61696 और इंटर के 257682 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस तरह से कुल मिलाकर 5337 778 परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे है। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं दो पालियों सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे और शाम 2:00 बजे से 5:15 बजे तक आयोजित हुई।

भिवंडी महापौर चुनाव से पहले सियासी भूचाल

प्रबल दावेदार विलास पाटील न्यायिक हिरासत में, वोटिंग के दिन पुलिस बंदोबस्त में लाए जाएंगे

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के महापौर चुनाव से ठीक पहले शहर की राजनीति में जबरदस्त हलचल मच गई है। महापौर पद के प्रबल दावेदार और कोणार्क विकास आघाड़ी के नेता तथा पूर्व महापौर विलास पाटील को भिवंडी सत्र न्यायालय ने मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जिससे चुनावी समीकरणों में अचानक उथल-पुथल मच गई है। हालांकि अदालत ने उन्हें 20 फरवरी को होने वाले महापौर चुनाव में मतदान के लिए कड़ी पुलिस सुरक्षा में पालिका मुख्यालय स्थित सभागृह लाने की अनुमति देकर राजनीतिक माहौल को और ज्यादा रोमांचक बना दिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, ठाणे आर्थिक अपराध शाखा ने 13 फरवरी की देर रात आर्थिक धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में विलास पाटील को हिरासत में लिया था। इस कार्रवाई ने राजनीतिक गलियारों में सनसनी फैला दी थी। अगले ही दिन शनिवार को विशेष सुनवाई के दौरान अदालत ने उन्हें चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया था, जिसके बाद से पूरे शहर की नजरें इस मामले पर टिकी हुई थीं। गिरफ्तारी के बावजूद विलास पाटील ने अपने राजनीतिक कदम पीछे नहीं खींचे। 16 फरवरी को अदालत की अनुमति से उन्हें पुलिस बंदोबस्त में महानगरपालिका लाया गया, जहां उन्होंने महापौर पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की कि वे अभी भी मुकाबले में मजबूती से डटे हुए हैं। मंगलवार को ऑनलाइन माध्यम से हुई सुनवाई में अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। उनके वकील एडवोकेट नारायण अय्यर ने बताया कि मामले की अगली सुनवाई 21 फरवरी को होगी। साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया है कि 20 फरवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच होने वाले महापौर चुनाव में भाग लेने के लिए उन्हें पुलिस सुरक्षा में महानगरपालिका लाया जा सकता है। इस घटनाक्रम ने भिवंडी की सियासत को पूरी तरह गरमा दिया है। एक ओर महापौर पद की दौड़ तेज हो चुकी है, तो दूसरी ओर न्यायिक हिरासत में रहते हुए चुनावी मैदान में बने रहने वाले विलास पाटील का मामला चुनाव को हाई-वोल्टेज बना रहा है। अब सबकी निगाहें मतदान के दिन पर टिकी हैं, जहां हर वोट सत्ता की दिशा तय करेगा और भिवंडी की राजनीति का नया अध्याय लिख सकता है।

भिवंडी महापौर चुनाव से पहले भाजपा में हलचल,नारायण चौधरी का बगावती रुख

13 नगरसेवकों के साथ सेकुलर फ्रंट की ओर झुकाव

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका में 20 फरवरी को होने वाले महापौर चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में अचानक राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। पार्टी द्वारा अधिकृत महापौर उम्मीदवार बदलने के फैसले से नाराज पूर्व घोषित उम्मीदवार नारायण चौधरी ने बगावती तेवर अपनाते हुए अलग खेमे की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने दावा किया है कि भाजपा के 22 नगरसेवकों में से 13 नगरसेवक उनके साथ हैं और वे सेकुलर फ्रंट के साथ आगे बढ़ने पर विचार कर रहे हैं।

दरअसल, भाजपा भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष रविकांत सावंत ने एक आधिकारिक पत्र जारी कर सभी नगरसेवकों को सूचित किया कि आगामी महापौर चुनाव में अब सौ.स्नेहा मेहुल पाटिल पार्टी की अधिकृत उम्मीदवार होंगी। इस निर्णय के बाद पहले घोषित उम्मीदवार नारायण चौधरी ने पत्रकार परिषद आयोजित कर अपनी नाराजगी जाहिर की। पत्रकारों से बातचीत में चौधरी ने कहा कि पार्टी ने उन्हें टिकट दिया, जिसके आधार पर वे चुनाव जीतकर

नगरसेवक बने और बाद में पार्टी ने ही उन्हें महापौर पद के लिए अधिकृत उम्मीदवार घोषित किया था। उन्होंने बताया कि इसी आधार पर उन्होंने महापौर चुनाव के लिए नामांकन भी किया था। हालांकि अब अचानक उनका नाम बदलकर स्नेहा मेहुल पाटिल को अधिकृत उम्मीदवार बनाए जाने से वे और उनके समर्थक आहत हैं। चौधरी ने कहा कि इस फैसले के चलते वे भाजपा के 13 नगरसेवकों के साथ मिलकर सेकुलर फ्रंट की ओर अग्रसर होने का निर्णय ले रहे हैं। इससे महापौर चुनाव से पहले शहर की राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावना बढ़ गई है। गौरतलब है कि कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और समाजवादी पार्टी ने मिलकर सेकुलर फ्रंट का गठन किया है और महापौर पद पर दावा ठोका है। कांग्रेस को 30 सीटें, राकांपा (शरद) को 12 सीटें और समाजवादी पार्टी को 6 सीटों पर जीत मिली है। इस आधार पर फ्रंट 42 सीटों का समर्थन होने का दावा कर रहा है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार समाजवादी पार्टी के छह नगरसेवकों ने पहले ही फ्रंट से दूरी बना ली है, जिससे राजनीतिक समीकरण और भी जटिल हो गए हैं। महापौर चुनाव से पहले भाजपा में उभरे इस विवाद और संभावित दल-बदल की स्थिति ने भिवंडी की सियासत को गरमा दिया है। अब सभी की नजरें 20 फरवरी को होने वाले चुनाव और संभावित गठजोड़ों पर टिकी हुई हैं, जो शहर की सत्ता का नया समीकरण तय करेंगे।

छत्रपति शिवाजी महाराज का दर्शन कर घर लौटते समय एक दुर्घटना में दो दोस्तों की मौत

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी तालुका के मराडे पाड़ा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज के दर्शन कर घर लौट रहे दिवा गांव के दो मित्रों की रविवार रात वेहाले रोड पर एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई।जिसे लेकर दिवा गांव में शोक और मातम का माहौल है। नरपोली पुलिस ने इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के दीवा गांव निवासी आयुष विजय जाधव (19) अपने मित्र ऋषिकेश राजेश जाधव (25) के साथ रविवार शाम दोपहिया वाहन द्वारा तालुका के मराडे पाड़ा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज के दर्शन के लिए गए थे।दर्शन के बाद उक्त दोनों रात लगभग 11:30 बजे घर लौट रहे थे।जैसे ही दोनों डोंबिवली की ओर जाने वाली सड़क पर वेहले गांव में स्थित खुशी एक्सेस वर्ल्ड के पास पहुंचे सड़क पर उनका दोपहिया वाहन फिसल गया और वे अपना संतुलन खो बैठे और उसी स्थान पर विपरीत दिशा में खड़ी डंपर संख्या एमएच 05 डीके 3999 से जबकर टकरा गए।इस दौरान अत्यधिक रक्तस्राव के कारण दोनों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतक आयुष और राजेश के मित्र आदित्य विजय अधव (21) ने शिकायत में बताया है कि दुर्घटना डंपर चालक द्वारा डंपर को विपरीत दिशा में खड़ी करने के कारण हुई। इस संबंध में नरपोली पुलिस स्टेशन में डंपर चालक के खिलाफ आईपीसी की धारा 106 (1) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुम्बई सेंट्रल-इंदौर तेजस स्पेशल ट्रेन के फेरे पुनः विस्तारित

रतलाम। यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखकर मुम्बई सेंट्रल से इंदौर के मध्य चलने वाली 09085/09086 मुम्बई सेंट्रल इंदौर तेजस सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के फेरे पुनः विस्तारित की जा रही है। पश्चिम रेलवे रतलाम मण्डल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः- ट्रेन संख्या 09085 मुम्बई सेंट्रल इंदौर तेजस स्पेशल, जिसका अंतिम फेरा 27 फरवरी 2026 तक निर्धारित है , 27 मार्च 2026 तक मुम्बई सेंट्रल से चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09086 इंदौर मुम्बई सेंट्रल तेजस स्पेशल, जिसका अंतिम फेरा 28 फरवरी 2026 निर्धारित है, 28 मार्च 2026 तक इंदौर से चलेगी। यह ट्रेन पूर्व निर्धारित मार्ग, कोच कंपोजिशन, दिन एवं ठहराव के साथ ही चलेगी। इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। गाड़ी संख्या 09085/09086 मुम्बई सेंट्रल इंदौर तेजस सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के विस्तारित फेरों की बुकिंग सभी यात्री आरक्षण वेब्न्द्रों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट से शुरू है। ट्रेनों के बारे में अद्यतन जानकारी वेब लिए यात्री वृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में 5 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण समाप्त, सरकार ने 10 वर्ष पुराना निर्णय वापस लिया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े मुसलमानों को दिए जाने वाले 5 प्रतिशत आरक्षण को आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार ने इस आरक्षण से संबंधित सभी पूर्ववर्ती सरकारी निर्णय और परिपत्र निरस्त कर दिए हैं। यह आरक्षण वर्ष 2014 में एक अध्यादेश के माध्यम से लागू किया गया था, किंतु विधिक बाधाओं के कारण इसे पूर्ण रूप से लागू नहीं किया जा सका।

वर्ष 2014 का निर्णय क्या था?

वर्ष 2014 में राज्य सरकार ने विशेष पिछड़ा वर्ग-ए (एसबीसी-ए) श्रेणी के अंतर्गत मुसलमानों को सरकारी सेवाओं तथा शैक्षणिक संस्थानों में 5 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का निर्णय लिया था। इस निर्णय के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों को जाति प्रमाण पत्र तथा जाति वैधता प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जा रहे थे। अध्यादेश जारी होने के तुरंत बाद इसे बॉम्बे उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। 14 नवंबर 2014 को उच्च न्यायालय ने इस आरक्षण पर स्थगन आदेश पारित कर दिया। इसके पश्चात यह अध्यादेश 23 दिसंबर 2014 की समय-सीमा के भीतर कानून का रूप नहीं ले सका और स्वतः अप्रभावी हो गया। चूंकि अध्यादेश को कभी विधिवत अधिनियम में परिवर्तित नहीं किया गया, इसलिए यह आरक्षण व्यवहार में लागू नहीं हो पाया।

वर्तमान निर्णय से क्या परिवर्तन होंगे?

सरकार ने स्पष्ट किया है कि–

5 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण अब औपचारिक रूप से समाप्त माना जाएगा।

इस श्रेणी के अंतर्गत कोई नया जाति प्रमाण पत्र अथवा वैधता प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

महाविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में इस कोटे के अंतर्गत प्रवेश नहीं दिए जाएंगे।

इस आरक्षण से संबंधित पूर्व के सभी सरकारी आदेश और परिपत्र अमान्य माने जाएंगे।

सरकार का कहना है कि चूंकि वर्ष 2014 का अध्यादेश कभी कानून नहीं बना और उस पर न्यायालय का स्थगन भी लागू रहा, इसलिए उससे संबंधित सभी प्रशासनिक निर्णयों को निरस्त करना आवश्यक था।

इस निर्णय के साथ महाराष्ट्र में मुस्लिम आरक्षण से जुड़ा दस वर्ष पुराना विषय औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है।

इंदौर छात्रावास में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला आयोजित

रतलाम। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के स्वास्थ्य विभाग द्वारा कर्मचारियों एवं उनके परिजनों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु नियमित रूप से विभिन्न स्टेशनों, कार्यालयों एवं कार्यशालाओं में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में रतलाम मंडल के इंदौर स्थित छात्रावास में 18 फरवरी 2026 को वृहद स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं अवेयरनेस सत्र केयर सीएचएल हॉस्पिटल इंदौर एवं स्वास्थ्य केंद्र इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों सहित लगभग 100 से अधिक लोग शामिल हुए। इस अवसर पर सीएचएल हॉस्पिटल इंदौर की ओर से डॉ. नितिन मोदी, डॉ. विकास जैन एवं डॉ. के. एल. प्रजापति उपस्थित रहे। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपस्थित लोगों का बीपी, शुगर एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए गए तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई।

मुकेश कुमार, जनसंपर्क अधिकारी, रतलाम मंडल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह आयोजन कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी रहा। कार्यक्रम के सफल संचालन में कार्मिक विभाग के कल्याण निरीक्षक इंदौर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर करता रहेगा।

महाप्रबंधक, मध्य रेल ने सोलापुर मंडल के वाडी-सोलापुर खंड का संरक्षा निरीक्षण किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री प्रतीक गोस्वामी ने परिचालन दक्षता, संरक्षा मानकों और चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए दिनांक 18.02.2026 को सोलापुर मंडल के वाडी-सोलापुर खंड का विस्तृत संरक्षा निरीक्षण किया।

वाडी में निरीक्षण

निरीक्षण की शुरुआत वाडी में महाप्रबंधक द्वारा क्रू लॉबी और नए क्रू काउंसलिंग रूम, रनिंग रूम और नई सुविधाओं, नवीनीकृत महिला प्रतीक्षा कक्ष, नए पॉली क्लिनिक और कंप्यूटरीकृत रेडियोग्राफी प्रणाली के निरीक्षण से हुई।

श्री गोस्वामी ने ए-क्लास दुर्घटना राहत ट्रेन और 140 टन क्रेन, रूट रिले इंटरलॉकिंग और नए वाडी ट्रैक्शन वितरण डिपो का भी निरीक्षण किया। वाडी गति शक्ति इकाइयों पर चल रहे कार्यों की स्थिति और वाडी यार्ड पुनर्निर्माण योजना के बारे में भी महाप्रबंधक को जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान वृक्षारोपण गतिविधि भी संपन्न की गई।

कलबुरगि में निरीक्षण

कलबुरगि में, श्री गोस्वामी ने सिग्नल डिपो में नए ट्रैक मशीन विश्राम गृह और नई गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और अन्य विभागों द्वारा प्रदर्शित प्रदर्शनियों की भी समीक्षा की। अल्ट्रासोनिक दोष पहचान प्रणाली का प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया गया।

कलबुरगि -बबलाद खंड, गौड़गांव और पुल एवं वक्र निरीक्षण

महाप्रबंधक ने कलबुरगि -बबलाद खंड पर किमी 564/7-8 पर इंजीनियरिंग इंटरलॉक गेट का निरीक्षण किया और लेवल क्रॉसिंग गेट और ओवरहेड उपकरण मापदंडों की समीक्षा की। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने गौड़गांव यार्ड में पॉइंट्स और स्विच एक्सपेंशन जॉइंट्स का निरीक्षण किया, जिसके बाद ट्रैक्शन सब स्टेशन और टेस्टिंग वैन का निरीक्षण किया गया। श्री गोस्वामी ने दुधानी-बोरोटी खंड पर बोरी पुल (पुल संख्या 511/2) का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसके बाद बोरोटी-नागनसुर खंड पर वक्र संख्या 103 अप का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने ओएचई माप की समीक्षा की।

अक्कलकोट रोड और टिकेकरवाड़ी में निरीक्षण

अक्कलकोट रोड पर, महाप्रबंधक ने इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, नवीनीकृत ट्रैक मशीन विश्राम गृह, रेलवे कॉलोनी और वृक्षारोपण गतिविधि वाले उद्यान का निरीक्षण किया।

टिकेकरवाड़ी में, कोचिंग डिपो योजनाओं की संक्षिप्त जानकारी के साथ गैंग नंबर 01 का निरीक्षण किया गया।

सोलापुर में निरीक्षण

सोलापुर में श्री गोस्वामी ने नवनिर्मित खेल परिसर और स्केटिंग रिंक का निरीक्षण किया।

महाप्रबंधक ने सोलापुर रेलवे अस्पताल के उन्नत नेत्र रोग विभाग का भी निरीक्षण किया, जिसमें ऑटो केराटो रिफ्रैक्टो टोनोमीटर, डिजिटल लेंसोमीटर, डिजिटल फोटो एलईडी स्लिट लैंप विद एप्लेनेशन टोनोमीटर का निरीक्षण शामिल था। इसके बाद उन्होंने इलेक्ट्रो-हाइड्रोलिक एक्चुएटर से सुसज्जित नए ऑपरेशन टेबल का निरीक्षण किया।

श्री गोस्वामी ने शाखा अधिकारियों से भी बातचीत की और रेल मंत्री द्वारा संरक्षा, रखरखाव, गुणवत्ता और प्रशिक्षण (एसएमक्यूटी) पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के आग्रह को दोहराया।

उन्होंने यूनियन प्रतिनिधियों से भी चर्चा की और प्रेस से बातचीत की, जिसमें उन्होंने उनके प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया।

निरीक्षण के दौरान, श्री गोस्वामी ने स्वच्छता मानकों, रेल संचालन की समयबद्धता और खंड में चल रहे रखरखाव और अवसंरचना उन्नयन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

महाप्रबंधक ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी बातचीत की और उन्हें संरक्षा और विश्वसनीयता के उच्चतम मानकों के प्रति सतर्क और प्रतिबद्ध रहने की सलाह दी। उन्होंने विभागों के बीच मजबूत समन्वय और संरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने जमीनी स्तर के कर्मचारियों से बातचीत की और सुरक्षित रेल संचालन, बुनियादी ढांचे की विश्वसनीयता और यात्री-केंद्रित सेवाओं के महत्व पर बल दिया। उन्होंने भारतीय रेलवे की छवि में समग्र सुधार और यात्रियों की सुविधा के लिए कार्यरत कर्मचारियों को उत्साहवर्धक सुझाव दिए।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक के साथ डॉ. सुजीत मिश्रा, मंडल रेल प्रबंधक, सोलापुर मंडल, मुख्यालय और सोलापुर मंडल के प्रधान विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उदयपुर सिटी यार्ड में ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित

रतलाम। उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर मंडल के उदयपुर सिटी स्टेशन यार्ड में प्रस्तावित ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली प्रभावित ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः- राणाप्रताप नगर रेलवे स्टेशन पर शॉर्ट ओरिजिनेट/टर्मिनेट होने वाली ट्रेनेः- 1.19 से 24 फरवरी तक चित्तौड़गढ़ से चलने वाली गाड़ी संख्या 59610 चित्तौड़गढ़ उदयपुर सिटी पैसेंजर। 2.19 से 24 फरवरी तक उदयपुर सिटी से चलने वाली गाड़ी संख्या 19606 उदयपुर सिटी मदार एक्सप्रेस। 3.23 फरवरी को निजामुद्दीन से चलने वाली गाड़ी संख्या 12963 निजामुद्दीन उदयपुर सिटी एक्सप्रेस। 4.23 फरवरी को दिल्ली सरायरोहिल्ला से चलने वाली गाड़ी संख्या 20473 दिल्ली सराय रोहिल्ला-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस। 5.24 फरवरी को जयपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 09721 जयपुर-उदयपुर सिटी स्पेशल एक्सप्रेस। 6.24 फरवरी को उदयपुर सिटी से चलने वाली गाड़ी संख्या 09722 उदयपुर सिटी -जयपुर स्पेशल एक्सप्रेस। 7.24 फरवरी को मदार जंक्शन से चलने वाली गाड़ी संख्या 19605 मदार - उदयपुर सिटी एक्सप्रेस। 8.24 फरवरी को उदयपुर सिटी से चलने वाली गाड़ी संख्या 12964 उदयपुर सिटी - निजामुद्दीन एक्सप्रेस। 9. 24 फरवरी को उदयपुर सिटी से चलने वाली गाड़ी संख्या 59609 उदयपुर सिटी चित्तौड़गढ़ पैसेंजर। मावली स्टेशन पर शॉर्ट ओरिजिनेट/टर्मिनेट होने वाली ट्रेनें :- 1.24 फरवरी को मंदसौर से चलने वाली गाड़ी संख्या 59835 मंदसौर उदयपुर सिटी पैसेंजर। 2.24 फरवरी को उदयपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 59836 उदयपुर सिटी मंदसौर पैसेंजर।

डीएफसीसीआईएल परियोजना के अंतर्गत ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित

रतलाम। डीएफसीसीआईएल परियोजना के अंतर्गत मध्य रेलवे के मुंबई मंडल में दिवा-वसई रोड खंड पर खारबाव स्टेशन पर नई अप एवं डाउन गुड्स लाइन के कमीशनिंग कार्य के कारण 21 फरवरी 2026 को रतलाम मंडल से चलने वाली तथा गुजरने वाली कुछ ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रभावित ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है– 1.गाड़ी संख्या 12940 जयपुर-पुणे एक्सप्रेस 21फरवरी 2026 को जयपुर स्टेशन से 3 घंटे विलंब से प्रस्थान करेगी। 2.गाड़ी संख्या 22944 इंदौर-दौंड एक्सप्रेस 21 फरवरी 2026 को इंदौर स्टेशन से 2 घंटे विलंब से चलेगी। 3.गाड़ी संख्या 22653 तिरुवनंतपुरम-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस 21 फरवरी 2026 को तिरुवनंतपुरम स्टेशन से 03.30 घंटा विलंब से प्रस्थान करेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in पर अवश्य देखें।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में मचा बवाल, मार्क वॉ बोले- स्टीव स्मिथ को बाहर करना सबसे बड़ी भूल थी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्क वॉ ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए चयन समिति की खराब टीम चयन की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि चोटों से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम का अभियान शुरू से ही नाकामयाब था। पल्लेकेले में बारिश ने जिम्बाब्वे पर मेहरबानी दिखाई और उन्हें सुपर आठ में जगह बनाने के लिए जरूरी एक अंक दिला दिया, जिसके चलते जिम्बाब्वे और श्रीलंका दोनों अपने ग्रुप से क्वालीफाई कर गए। हालांकि, आयरलैंड पर जीत के साथ शुरुआत करने के बाद जिम्बाब्वे और श्रीलंका से शर्मनाक हार झेलते हुए 2021 के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के लिए ग्रुप स्टेज में ही सफर खत्म हो गया।

ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट से पहले चोटों से जूझ रही थी, उनके दो सबसे वरिष्ठ तेज गेंदबाज पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। साथ ही, उनके स्टार बल्लेबाज टिम डेविड भी टूर्नामेंट से पहले हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे थे और अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखे। जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने शून्य और श्रीलंका के खिलाफ छह रन बनाए। इसके अलावा, कप्तान मिशेल मार्श को ग्रोइन इंजरी का सामना करना पड़ा और वे जिम्बाब्वे के खिलाफ वापसी करने से पहले शुरुआती दो मैच नहीं खेल पाए, जहां उन्होंने एक प्रभावशाली अर्धशतक बनाया।

सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) के शानदार सीजन के बाद, जिसमें उन्होंने बीबीएल इतिहास में किसी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक शतकों का रिकॉर्ड तोड़ा, स्टीव स्मिथ को श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया। स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ स्मिथ के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए, वॉ ने उनके चयन न होने को अविश्वसनीय बताया। इस सीजन में बीबीएल में उनकी टीम के उपविजेता रहने में, इस दिग्गज बल्लेबाज ने छह पारियों में 59.80 के औसत और 167.97 के स्ट्राइक रेट से 299 रन बनाए, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। स्काई स्पोर्ट्स द्वारा उद्धृत एसईएन रेडियो पर बोलते हुए, वॉ ने कहा कि मुझे लगता है कि चयन संबंधी समस्याओं और चोटों के कारण पूरा अभियान शुरू से ही बर्बाद होने वाला था। उन्होंने आगे कहा कि मेरे लिए, स्टीव स्मिथ को शुरू में टीम में न चुनना सबसे हैरान करने वाला फैसला है जो मुझे लंबे समय से याद है। मुझे लगता है कि उन्होंने चयन में पूरी तरह से गलती की है और अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी स्टीव स्मिथ को बेंच पर बैठाए रखना... सच कहूं तो यह स्टीव स्मिथ का अपमान है। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख टेस्ट बल्लेबाज स्टीव स्मिथ स्पिन गेंदबाजी के बेहतरीन खिलाड़ी माने जाते है

टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का विजय रथ जारी, यूएई को रौंदकर सुपर 8 में ली एंट्री

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका ने चल रहे टी20 विश्व कप 2026 में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में संयुक्त अरब अमीरात को छह विकेट से हराकर समूह चरण में लगातार चौथी जीत दर्ज की। अनुशासित गेंदबाजी प्रदर्शन के दम पर यूएई को मामूली स्कोर पर रोकने के बाद, प्रोटियाज के शीर्ष क्रम ने 40 गेंद शेष रहते लक्ष्य का पीछा करते हुए टूर्नामेंट में अपनी लगातार चौथी जीत हासिल कर ली।

हल्के बादल छाए मौसम में पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुनने वाले दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्कराम के गेंदबाजों ने तुरंत ही इस फैसले को सही साबित कर दिया। यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम ने कागीसो रबाडा की गेंदों पर कुछ चौके लगाकर शुरुआती आक्रामक रुख दिखाया, लेकिन स्पिन गेंदबाजी और गति में बदलाव निर्णायक साबित हुए। जॉर्ज लिंडे (4 ओवर में 1/17) ने वसीम को एलबीडब्ल्यू आउट करके पहली सफलता दिलाई। हालांकि, कॉर्बिन बॉश (4 ओवर में 3/12) ने यूएई की पारी की कमर तोड़ दी। बॉश ने पिच का भरपूर फायदा उठाते हुए आर्यनश शर्मा और शोएब खान जैसे अहम विकेट लिए।

अलीशान शरफू की 38 गेंदों में 45 रनों की जुझारू पारी के बावजूद, यूएई अंतिम ओवरों में लय हासिल करने में नाकाम रहा और 20 ओवरों में 122/6 का कम स्कोर ही बना पाया। दक्षिण अफ्रीका की पारी की शुरुआत धीमी रही, क्योंकि एडन मार्कराम के पहली गेंद पर एक रन लेने के बाद क्विंटन डी कॉक ने पांच डॉट बॉल खेलीं। हालांकि, दूसरे ओवर में कप्तान मार्कराम और डी कॉक ने 13 रन बनाए। मार्कराम ने तीसरे ओवर में यूएई के हैदर अली पर हमला बोलते हुए 18 रन बनाए, लेकिन अंततः 11 गेंदों में 28 रनों की तेज पारी खेलने के बाद आखिरी गेंद पर आउट हो गए। रायन रिकेल्टन ने 23 रन की साझेदारी की, लेकिन पावरप्ले से ठीक पहले डी कॉक का विकेट गिर गया और दक्षिण अफ्रीका ने पहले छह ओवरों का खेल 56/2 के स्कोर पर समाप्त किया। हालांकि, रयान रिकेल्टन और 'बेबी एबी' डेवाल्ड ब्रेविस ने उलटफेर की सारी उम्मीदें जल्द ही खत्म कर दीं। रिकेल्टन ने 16 गेंदों में 30 रन बनाए, जबकि ब्रेविस ने 25 गेंदों में 36 रनों की तूफानी पारी खेली। रिकेल्टन और ब्रेविस दोनों के आउट होने के बावजूद, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित कर दी थी। ट्रिस्टन स्टब्स (6ङ) और जेसन स्मिथ (3ङ) ने दक्षिण अफ्रीका को जीत दिलाई और मार्कराम की अगुवाई वाली प्रोटियाज टीम को सुपर 8 में पूरे जोश के साथ प्रवेश करने का मौका दिया।

पाकिस्तान के खिलाफ विस्फोटक पारी का इनाम, ईशान किशन की आईसीसी टी20 रैंकिंग के शीर्ष 10 में एंट्री

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने मौजूदा टी20 विश्व कप में 40 गेंदों पर 77 रनों की मैच-विनिंग पारी खेलकर आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बना ली है। 732 रेटिंग अंकों के साथ वह रैंकिंग में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को पीछे छोड़ते हुए, वह अब टी20 प्रारूप में आईसीसी रैंकिंग के शीर्ष 10 में पहुंचने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं।

आईसीसी रैंकिंग के पिछले अपडेट के बाद से किशन ने नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ क्रमशः 61 और 77 रन बनाए हैं, जिसके चलते उन्हें रैंकिंग में इतने अंक मिले हैं। वहीं, टी20 विश्व कप में कई बार शून्य पर आउट होने के बावजूद, अभिषेक शर्मा 891 रेटिंग अंकों के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं और दूसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड के फिल साल्ट से 83 अंक आगे हैं, जिनका प्रदर्शन इस मेगा टूर्नामेंट में अब तक अच्छा नहीं रहा है।

तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं, जबकि पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान भारत के खिलाफ शून्य पर आउट होने के बाद पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। रैंकिंग में उछाल मारने वाले अन्य बल्लेबाजों में श्रीलंका के पथुम निस्संका शामिल हैं, जो टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया को बाहर करने वाले अपने शानदार शतक के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के ऑलराउंडर साइम अयूब ने आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया है, जबकि हार्दिक पांड्या इस मामले में तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा शीर्ष स्थान से हट गए हैं, लेकिन वे अयूब से सिर्फ छह रेटिंग अंक पीछे हैं।

गेंदबाजों में, जिम्बाब्वे के ब्रैड इवांस 10 पायदान ऊपर चढ़कर 680 अंकों की करियर-बेस्ट रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। अन्य भारतीय गेंदबाजों में, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह क्रमशः 14वें, 15वें और 16वें स्थान पर हैं

पंजाब प्रीमियर लीग में शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा मचाएंगे धूम, पीसीए 2026 का हुआ ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) जून 2026 में पंजाब प्रीमियर लीग (पीपीएल) का आयोजन करने जा रहा है। पंजाब की घरेलू टी20 क्रिकेट लीग अब एक नए नाम और नए प्रारूप के तहत खेली जाएगी। पीपीएल की सभी 6 टीमें फ्रेंचाइजी आधारित होंगी और खिलाड़ियों का चयन नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। पीसीए की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केवल पंजाब में पंजीकृत खिलाड़ी ही भाग लेंगे।

पंजाब प्रीमियर लीग में पंजाब के सभी प्रमुख खिलाड़ी शामिल होंगे। भारतीय टेस्ट और सीमित ओवरों के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल, भारत के नंबर 1 टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और गेंदबाज अर्शदीप सिंह को प्रमुख खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया जाएगा। इनके अलावा, रमनदीप सिंह, नेहाल वढेरा, नमन धीर, अनमोलप्रीत सिंह और प्रभसिमरन सिंह सहित अन्य अनुभवी पंजाब के खिलाड़ियों को भी प्रमुख खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया जा सकता है। वर्तमान भारतीय अंडर-19 टीम के युवा खिलाड़ी विहान मल्होत्रा भी इसमें शामिल होंगे। वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ-साथ पंजाब के अंडर-23 खिलाड़ियों को भी खेलने का मौका मिलेगा। इन दिग्गज खिलाड़ियों के अलावा, पंजाब प्रीमियर लीग में पंजाब के कई अन्य उभरते हुए क्रिकेटर भी शामिल होंगे, जिन्होंने घरेलू और आईपीएल स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। मयंक मार्कंडे, अश्वनी कुमार, गुरनूर बराड़, हरनूर सिंह, रमन धीर और हरप्रीत बराड़ जैसे खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे, जिससे लीग को मजबूती और प्रतिस्पर्धा मिलेगी।

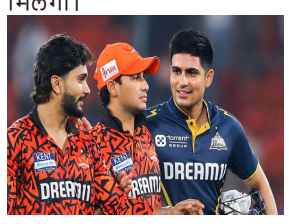

विजयी गोल करने के बाद विनीसियस जूनियर का नस्लीय दुर्व्यवहार का आरोप

रियाल मैड्रिड की जीत पर विवाद का साया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। यूईएफए चैंपियंस लीग के प्लेऑफ मुकाबले में फुटबॉल की दुनिया एक बार फिर नस्लवाद के मुद्दे पर गरमा गई है। रियाल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने बेनफिका के खिलाफ मैच के दौरान नस्लीय टिप्पणी किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। यह घटना तब हुई जब विनीसियस ने अपनी टीम के लिए विजयी गोल दागा और रियाल मैड्रिड को 1-0 से जीत दिलाई। खेल को तब रोक दिया गया जब विनीसियस ने दावा किया कि रियाल मैड्रिड की 1-0 से जीत के दौरान एक प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी ने नस्लीय टिप्पणी करके उनका अपमान किया।

रियाल मैड्रिड के डिफेंडर ट्रेंट अलेक्जेंडर अर्नोल्ड ने मैच के बाद कहा, "अपने करियर के दौरान उन्हें कई बार इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा है और उन्होंने इसे बखूबी संभाला है। लेकिन उनके प्रति इस तरह का व्यवहार जारी रहना और आज रात ऐसा होना फुटबॉल के लिए शर्मनाक है।" इस बीच मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को मोनाको के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। पीएसजी एक समय दो गोल से पीछे चल रहा था लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी डेज़ायर डूए के शानदार प्रदर्शन से वह आखिर में 3-2 से जीत हासिल करने में सफल रहा। अन्य मैचों में गैलाटासराय ने युवेंटस को 5-2 से हराया जबकि बोरुसिया डॉर्टमुंड ने अटलांटा के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की विनीसियस ने स्टेडियम ऑफ लाइट में बेनफिका के खिलाफ प्लेऑफ के पहले चरण में रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन रियाल मैड्रिड को बढ़त दिलाने के बाद रेफरी फ्रांकोइस लेटेक्सियर को नस्लवादी टिप्पणी की जानकारी दी।

उन्होंने अर्जेंटीना के खिलाड़ी जियानलुका प्रेस्टियानी की ओर इशारा किया। बेनफिका के कोच जोस मोरिन्हो ने हालांकि कहा कि उनके खिलाड़ी ने नस्लीय टिप्पणी करने के आरोपों से इनकार किया है। मोरिन्हो ने कहा, "उन्होंने मुझे अलग-अलग बातें बताईं। लेकिन कुछ तो गड़बड़ है क्योंकि हर बार ऐसा होता है। जहां भी विनीसियस खेला, वहां हमेशा कुछ न कुछ हुआ।

प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड में अपनी सफलता का श्रेय ऐश्वर्या राय और इरफान खान को दिया

वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे अपनी जड़ों और अपने वरिष्ठों का कितना सम्मान करती हैं। हाल ही में सालाना हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं प्रियंका ने हॉलीवुड में अपने संघर्ष और सफलता पर खुलकर बात की और इसका श्रेय भारतीय सिनेमा के उन 'पायनियर्स' को दिया जिन्होंने उनके लिए रास्ते खोले। उन्होंने इन पर्सनैलिटीज़ को ट्रेलब्लेज़र बताया जिनकी अचीवमेंट्स ने दूसरों के लिए उनके नक्शेकदम पर चलना मुमकिन बनाया।

इंडस्ट्री में अपनी जगह के बारे में सोचते हुए, चोपड़ा ने जर्नलिस्ट अंजुला आचार्य से कहा, 'मुझे सच में यकीन है कि मैं उन कमाल के आर्टिस्ट्स और टैलेंट्स के कंधों पर खड़ी हूँ जो मुझसे पहले आए थे। ऐश्वर्या राय, जब वह हॉलीवुड में काम कर रही थीं तो एक आइकॉन थीं,

इरफान खान, बेशक, मिंडी कलिंग। और मैं दरवाज़ा खोल पाई और जिस पर मैं यकीन करती हूँ उसके लिए खड़ी हो पाई क्योंकि उन्होंने वही किया जो उन्होंने किया।' एक्टर ने हॉलीवुड में अपनी जगह बनाने के काबिल बनाने के लिए उनके पायनियरिंग काम को क्रेडिट दिया।

कॉन्फ्रेंस के बाद, चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल नोट पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि इवेंट में इतने सारे 'देसी लोगों' को ट्रेडिशनल कपड़ों में देखकर वह बहुत खुश हुईं। उन्होंने याद किया कि जब वह 12 साल की उम्र में पहली बार यूनाइटेड स्टेट्स आई थीं, तो उन्हें ऐसी जगहों पर अपने जैसे दिखने वाले लोग बहुत कम मिले थे।

ऐश्वर्या राय उन पहली इंडियन एक्टर्स में से एक हैं जिन्हें वेस्टर्न फिल्मों में बड़े रोल मिले। ब्राइड एंड प्रेजुडिस, द मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेस और द पिंक पैंथर 2 जैसे प्रोजेक्ट्स में उनकी परफॉर्मेंस ने इंडियन रिप्रेजेंटेशन को ग्लोबल ऑडियंस तक पहुंचाया। कान्स में राय के रेगुलर अपीयरेंस और इंटरनेशनल कैंपेन में शामिल होने से उनकी पहुंच और बढ़ी। इरफान खान ने द नेमसेक, लाइफ ऑफ पाई, ज़ुरासिक वर्ल्ड और स्लमडॉग मिलियनेयर जैसी फिल्मों में यादगार परफॉर्मेंस दी हैं।

चोपड़ा ने अमेरिका एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक क्रिएटर और परफॉर्मर के तौर पर मिंडी कलिंग के काम को इंस्पिरेशन का एक और सोर्स बताया। मेनस्ट्रीम टेलीविज़न और फ़िल्म में कलिंग की सफलता ने नॉर्थ अमेरिका में साउथ एशियन कलाकारों के लिए ज़्यादा मौके दिए हैं।

पेनी स्टॉक ने बदली किस्मत! 65 पैसे का शेयर बना 32, 1 लाख के बना दिए 50 लाख!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। स्टॉक मार्केट की मौजूदा उठापटक के बीच कुछ चुनिंदा शेयर निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। ऐसा ही एक नाम है काबरा ड्रग्स लिमिटेड, जिसने लंबी अवधि के निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न देकर चौंका दिया है।

फरवरी 2019 में महज 65 पैसे पर ट्रेड करने वाला यह पेनी स्टॉक अब बीएसई पर करीब ?32 के स्तर पर पहुंच चुका है यानी करीब सात साल में इसने लगभग 4960ङ का रिटर्न दिया है। अगर किसी निवेशक ने उस समय ?1 लाख लगाए होते और होल्ड बनाए रखा होता, तो उसकी वैल्यू आज लगभग ?50 लाख के आसपास पहुंच सकती थी।

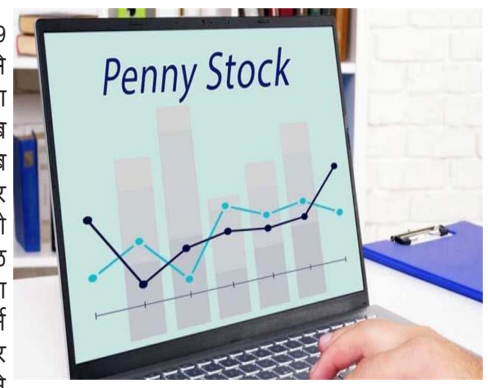

वित्त वर्ष 26 की दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 2.56 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 53.69 लाख रुपए का घाटा हुआ था यानी साल-दर-साल आधार पर 578ङ का उछाल देखने को मिला। रेवेन्यू भी 30.42 करोड़ रुपए रहा, जो पिछली तिमाही के 19.76 करोड़ रुपए से करीब 54ङ ज्यादा है।

कंपनी ने देशभर में 200 चैनल पार्टनर्स जोड़ने के लिए एमआर फ्रैंचाइज के साथ समझौता किया है, जिससे डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क मजबूत होगा। इसके अलावा बोर्ड ने वासमान ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड के अधिग्रहण, नाम बदलने और बिजनेस डायवर्सिफिकेशन को मंजूरी दी है।

हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पेनी स्टॉक्स में रिटर्न जितना बड़ा होता है, जोखिम भी उतना ही ज्यादा रहता है। ऐसे में निवेश से पहले रिसर्च, पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन और लंबी अवधि की रणनीति बेहद जरूरी है।

'धुरंधर' के बाद चमकी आयशा खान की किस्मत! आयशा खान के साथ इस बड़ी फिल्म में आएंगी नजर?

मुंबई। आदित्य धर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' से जबरदस्त पॉपुलैरिटी पाने वाली एक्ट्रेस आयशा खान इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इस गाने में उनके डांस मूव्स और एक्सप्रेशन ने हर किसी को अपना दीवाना बना लिया था। इसके बाद आयशा को कपिल शर्मा की मूवी 'किस किसको प्यार करूं 2' में देखा गया था। इसी बीच अब खबर है कि, आयशा के हाथ एक बड़ी फिल्म लगी है, जिसमें वो अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

दरअसल, साल 2006 में आई डायरेक्टर प्रियदर्शन की फिल्म 'भागम भाग' का करीब 20 साल के बाद सीक्वल 'भागम भाग 2' आने वाला है, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी डायरेक्टर राज शांडिल्य को दी गई है। यही वो फिल्म है जिसमें अक्षय कुमार के साथ आयशा खान स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। आयशा और अक्षय के अलावा इस मूवी का हिस्सा एक्ट्रेस मीनाक्षी चौधरी भी हैं।

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट की माने तो इस फिल्म में आयशा खान को एक बेहद अहम रोल के लिए कास्ट किया गया है। हालांकि, उनके किरदार

को लेकर अभी कोई ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इस मूवी में आयशा की मौजूदगी उनके फैंस को काफी ज्यादा एक्साइटेड कर रही है। बता दें कि, 'भागम भाग 2' के पहले पार्ट 'भागम भाग' में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल और गोविंदा की तिकड़ी दिखी थी और तीनों ने मिलकर कॉमेडी का ऐसा तड़का लगाया था कि, आज भी वो अपनी इस मूवी के लिए जाने जाते हैं।

खबरों के मुताबिक, 'भागम भाग' के सीक्वल का गोविंदा हिस्सा नहीं है। कुछ समय पहले ऐसी खबरें थी कि, गोविंदा की जगह इस बार फिल्म में मनोज बाजपेयी को 'भागम भाग 2' कास्ट कर लिया गया है। हालांकि, इसकी अभी तक कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है और न ही फिल्म कब तक रिलीज होगी इसके बारे में कोई जानकारी है।

आपको बता दें कि, आयशा खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एकता कपूर के शो 'कसौटी जिंदगी की 2' में बतौर जूनियर आर्टिस्ट की थी। इसके बाद उन्हें 2020 में टीवी सीरियल 'बालवीर रिटर्न्स' में देखा गया था। छोटे पर्दे पर पहचान बनाने के बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों की तरफ रुख किया और 2022 में तेलुगु फिल्म 'मुखाचित्रम' से उन्होंने बड़े पर्दे पर कदम रखा। इसके बाद आयशा ने साउथ कि कई फिल्मों में काम किया, लेकिन पहचान उन्हें सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' से मिली।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभागः मुख्य अभियंता (मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल)
क्रमांकः ई.ई.मैके./7004/दक्षिण दिनांकः 18.02.2026

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा पात्र निविदादाताओं से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। बोली प्रारंभ तिथि एवं समय तथा बोली समाप्ति तिथि एवं समय का विवरण बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट के निविदा अनुभाग तथा महाटेंडर पोर्टल पर उपलब्ध विस्तृत निविदा सूचना में दिया गया है।

अ.क्र.	बिड नं0	कार्य का नाम
1.	2026_MCGM_1279772_1	नगर निगम कार्यशाला के लिफ्ट विभाग तथा अन्य विभागों के लिए विभिन्न प्रकार की उपभोग्य एवं आवश्यक वस्तुओं की खरीद।
2.	2026_MCGM_1279775_1	नगर निगम कार्यशाला के बॉयलर शॉप विभाग के लिए आवश्यक आकार के अनिवार्य फेरस घटकों का निर्माण एवं आपूर्ति।

इच्छुक निविदादाता निविदा के विस्तृत विवरण हेतु बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in तथा महाटेंडर पोर्टल की वेबसाइट http://mahatenders.gov.in पर अवश्य जाएँ।

पीआरओ/3030/विज्ञा./2025-26 — ई.ई.मैकेनिकल (दक्षिण)

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
इंजीनियरिंग कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ई–निविदाये आंमत्रित करते है. **1. निविदा क्र.**: 03-2026-SrDENS **कार्य का नाम** : 1. Improvement to approach road at LC 22,24,31,49 in KWV-MRJ section & Provision of standard height gauge at LC 70 in KWV-MRJ section 2. Improvement to approach road at LC 61,74,82,91,3 in SUR-WD section & Provision of standard height gauge at LC 82, 91 & 3 in SUR-WD section. 3. Improvement to gate lodges and other miscellaneous works for safety of road users in Sr.DEN(S) section. **अनुमानित लागत रु.**: Rs. 1,12,61,658.40 **बयाना रक्कमः** Rs. 2,06,300.00 **समापन की अवधीः** 6 Months **अनुरक्षण की अवधीः** 12 Months. **1. निविदा क्र.**: 04-2026-SrDENS **कार्य का नाम** : Construction of Retaining wall and side drain from km 587/900-589/460=1560m (UP side) between MR-SDB section of ADEN/KLBG sub division **अनुमानित लागत रु.**: Rs. 3,87,66,722.43 **बयाना रक्कमः** Rs. 3,43,800.00 **समापन की अवधीः** 12 Months **अनुरक्षण की अवधीः** 06 Months. **www.ireps.gov.in इस वेब साईट पर टेंडर अपलोड करणे कि अंतिम दिनाक और समयः** 09/03/2026 को 15.00 बजे तक **www.ireps.gov.in इस वेब साईट पर टेंडर खुलने का दिनाक और समयः** 09/03/2026 को 15.30 बजे • निविदाकारों से निवेदन हैं की कोइ बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये Website: www.ireps.gov.in पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे। ANJ-15

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल

सड़क ओवर ब्रिज का निर्माण

ई-निविदा सूचना सं. CPM-GSENGG-BRC-2025-26-02 भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा- 390 004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **i) ई-निविदा सूचना सं.CPM-GS-ENGG-BRC-2025-2026-02 ii) कार्य का नाम:** वडोदरा डिवीजन: वडोदरा–गेरतपुर सेक्शन पर किमी 407/34–408/2 पर स्थित लेवल एक्स-आईएनजी संख्या 244 के स्थान पर एप्रोच मार्ग सहित सड़क ओवर ब्रिज (R O B) का निर्माण। **iii) कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 37,79,74,506.79 (रुपये सैंतीस करोड़, उनासी लाख, चौहत्तर हजार पांच सौ छ एवं उनासी पैसे मात्र) **iv) जमा की जाने वाली बयाना राशि:** ₹ 20,39,900/- (रुपये बीस लाख, उन्तालीस हजार, नौ सौ मात्र) **v) बोली शुरू होने की तारीख:** 28.02.2026, बोली बंद होने की तिथि: 14.03.2026 को 14.00 बजे। **vi)** निविदा दस्तावेज़ की लागत (नॉन रिफंडेबल), ईएमडी, पात्रता मानदंड, समान प्रकृति के कार्य तथा विस्तृत निविदा शर्तों से संबंधित विस्तृत सूचना हेतु कृपया **www.ireps.gov.in** पर जाएँ। **vii)** मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। BRC 363

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

डॉ राजशेखर पाण्डेय को नागार्जुन अवार्ड एवं डॉ राजेन्द्र प्रसाद को मेरिटोरियस सर्विस अवार्ड

प्रयागराजः विश्व आयुर्वेद मिशन ने आज 'डिजिटल हेल्थ एण्ड आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस इन इनोवेशन ऑफ आयुर्वेद' विषय पर आभासी माध्यम से एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया । जिसमें रायपुर, छत्तीसगढ़ के ख्याति लब्ध रसशास्त्री प्रो. राजशेखर पाण्डेय एवं आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू के कायचिकित्सा विभागाध्यक्ष प्रो राजेन्द्र प्रसाद ने अपने विचार साझा किए । डॉ पाण्डेय ने आयुर्वेदीय औषधि निर्माण के क्षेत्र में डिजिटलीकरण एवं आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस को बहुत उपयोगी बताया । इससे न केवल औषधियों की गुणवत्ता बढ़ाई जा सकेगी अपितु एकरूपता एवं समय की बचत भी हो सकेगी । डॉ पाण्डेय ने मेटल्स एण्ड मेटेलोफार्मास्युटिक्स पर प्रकाशित अपनी पुस्तक में आयुर्वेदिक मेटलर्जी के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है । इनकी पुस्तक को इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका में स्थान मिला है । डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने अनेकों सेमिनार एवं कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयुर्वेद के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ साथ पीड़ित मानवता की सेवा में अहं भूमिका निभाई है । डॉ प्रसाद ने डिजिटल हेल्थ एवं ए आई को आयुर्वेद के नवोन्मेष के लिए अत्यंत आवश्यक बताया । इस अवसर पर विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो जी एस तोमर ने डॉ राजशेखर पाण्डेय को मिशन का 'पद्मश्री प्रो राम हर्ष सिंह स्मृति नागार्जुन अवार्ड एवं डॉ राजेन्द्र प्रसाद को 'पद्मश्री प्रो राम हर्ष सिंह स्मृति मेरीटोरियस सर्विस अवार्ड' से सम्मानित किया । मिशन के महासचिव डॉ डी पी आर्य ने दोनों चिकित्सा वैज्ञानिकों को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए बधाई दी एवं भविष्य में भी पीड़ित मानवता की सेवा में सन्नद्ध रहने की सलाह दी । आयोजन सचिव डॉ अवनीश पाण्डेय ने आयुर्वेद के सशक्त हस्ताक्षर स्मृति शेष पद्मश्री प्रो राम हर्ष सिंह की स्मृति में मिशन द्वारा निर्धारित पुरस्कारों की विस्तृत जानकारी दी ।

एआई पर दुनिया में 'विश्वास की कमी' ऋषि सुनक बोले- पॉलिसी से जीतना होगा भरोसा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर दुनिया भर में अलग-अलग सोच पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश बहुत उम्मीद दिखा रहे हैं, वहीं पश्चिमी देश इस नई टेक्नोलॉजी को लेकर चिंता में हैं। देश की राजधानी में 'एआई के दौर में राज करनाः सॉवरेनिटी, असर और स्ट्रैटेजी' इवेंट में बोलते हुए, सुनक ने ज़ोर देकर कहा कि दुनिया भर के नेताओं के लिए जनता के भरोसे में इस अंतर को दूर करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

सुनक ने कहा कि दुनिया भर में हम एआई को लेकर ये अलग-अलग नज़रिए देख रहे हैं। भारत जैसे देशों में, जहाँ हम हैं, बहुत उम्मीद और भरोसा है, और पश्चिमी देशों में, हम देख रहे हैं कि एआई को लेकर चिंता अभी भी सबसे बड़ी भावना है। यूके के पूर्व प्रधानमंत्री ने आगे बताया कि इस भरोसे की खाई को पाटने के लिए सिर्फ़ टेक्नोलॉजी में तरक्की से ज़्यादा की ज़रूरत होगी, उन्होंने लोगों का भरोसा बढ़ाने के लिए सोच-समझकर पॉलिसी में दखल देने की बात कही। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि भरोसे की इस कमी को पाटना जितना टेक्निकल काम है, उतना ही पॉलिसी का भी काम है। सुनक की बातें यूके के पूर्व पीएम ऋषि सुनक के साथ एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान मेटा के एलेक्जेंडर वांग की एक फायरसाइड चैट में सामने आईं। यह समिट 20 फरवरी तक चलने वाला है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ग्लोबल चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए दुनिया भर के सरकारी पॉलिसीमेकर, इंडस्ट्री एआई एक्सपर्ट, एकेडमिशियन, टेक्नोलॉजी इनोवेटर और सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि एक साथ आए हैं। ग्लोबल साउथ में हो रहे पहले ग्लोबल एआई समिट के तौर पर, इस इवेंट का मकसद एआई की बदलाव लाने की क्षमता पर सोचना है, जो भारत के 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' (सबका भला, सबकी खुशी) के नेशनल विज़न और एआई फॉर ह्यूमैनिटी के ग्लोबल सिद्धांत के साथ मेल खाता है। इस समिट में 110 से ज़्यादा देश और 30 इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें लगभग 20 देश या सरकार के हेड और लगभग 45 मिनिस्टर शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूल के 35 बच्चों ने ब्लेड से काटे अपने हाथ, वजह तलाश रहे मनोवैज्ञानिक

रायपुर **(एजेंसी)**। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने अभिभावकों, शिक्षकों और प्रशासन के होश उड़ा दिए हैं। एक गांव के मिडिल स्कूल में अचानक दर्जनों बच्चों के हाथों पर गहरे घाव और कटने के निशान मिलने से हड़कंप मच गया है। यह मामला सिर्फ चोट का नहीं, बल्कि बच्चों की मानसिक स्थिति और किसी अदृश्य प्रभाव की ओर इशारा कर रहा है, जिसने एक साथ 35 मासूमों को खुद को नुकसान पहुंचाने पर मजबूर कर दिया।

दहदहा गांव के एक पिता ने जब अपने बच्चे के हाथ पर रहस्यमयी निशान देखे, तो उन्हें किसी अनहोनी का अंदेशा हुआ। जब यह बात स्कूल तक पहुंची और गहन जांच की गई, तो परतें खुलती चली गईं। देखते ही देखते स्कूल के 35 बच्चों के हाथों पर ब्लेड या किसी नुकीली वस्तु से वार किए जाने के निशान मिले। चौंकाने वाली बात यह है कि बच्चे इस हरकत के पीछे की असली वजह बताने से कतरा रहे हैं, जिससे मामला और भी पेचीदा हो गया है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और विशेषज्ञों की टीम गांव में डेरा डाले हुए है। 16 फरवरी को प्रभावित बच्चों और उनके डरे हुए माता-पिता के लिए एक विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। मनोवैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या यह किसी सोशल मीडिया चैलेंज का हिस्सा है, या फिर बच्चे किसी मानसिक दबाव या 'मास हिस्टीरिया' (सामूहिक उन्माद) का शिकार हुए हैं। शिक्षा अधिकारियों ने स्कूल प्रबंधन को बच्चों की हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर चौबीसों घंटे पैनी नजर रखने के कड़े निर्देश दिए हैं।

हरित ऊर्जा की ओर भारत के बढ़ते कदम! 272 जीडब्ल्यू की ऐतिहासिक उपलब्धि और 'भारत-ब्रिटेन' रणनीतिक साझेदारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत ने ऊर्जा स्वतंत्रता और स्वच्छ भविष्य की दिशा में एक और बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने हाल ही में घोषणा की है कि भारत की गैर-जीवाश्म आधारित विद्युत उत्पादन क्षमता अब 272 गीगावाट (जीडब्ल्यू) से अधिक हो गई है। यह घोषणा 'भारत-ब्रिटेन अपतटीय पवन ऊर्जा कार्यबल' की शुरुआत के दौरान की गई, जिसमें ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी और ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी और भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून भी मौजूद थीं। कार्यबल की औपचारिक शुरुआत के मौके पर जोशी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 35 गीगावाट से अधिक सौर तथा 4.61 गीगावाट पवन क्षमता जोड़ी है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भारत ने अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्रोतों से हासिल किया।

यह उपलब्धिक निर्धारित लक्ष्य से पांच वर्ष पहले हासिल की गई। मंत्री ने कहा, '' आज भारत की स्थापित गैर-जीवाश्म क्षमता 272 गीगावाट से अधिक है जिसमें सौर से 141 गीगावाट और पवन से 55 गीगावाट हैष्ठ। हमारी व्यापकता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत दो साल से कम समय में करीब 30 लाख परिवारों को 'रूफटॉप सोलर' की सुविधा मिली।

इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान योजना के तहत 21 लाख पंपों का सौरकरण किया गया है।'' उन्होंने कहा कि ये आंकड़े स्पष्ट नीति, संस्थागत समन्वय तथा निवेशकों और उद्योग के भरोसे को दर्शाते हैं। मंत्री ने कहा कि हालांकि अगले चरण में विश्वसनीयता, ग्रिड स्थिरता, औद्योगिक गहराई तथा ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत करना होगा। जोशी ने कहा कि अपतटीय

पवन ऊर्जा की, अगली अवस्था में रणनीतिक भूमिका होगी और इसके लिए गुजरात तथा तमिलनाडु के तटों के पास कुछ क्षेत्रों की पहचान की गई है।

उन्होंने बताया कि शुरुआती 10 गीगावाट अपतटीय निकासी क्षमता (गुजरात और तमिलनाडु में पांच-पांच गीगावाट) के लिए पारेषण योजना पूरी कर ली गई है। प्रारंभिक परियोजनाओं को सहयोग देने के लिए 7, 453 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर निधि योजना भी शुरू की गई है जो लगभग 71 करोड़ पाउंड के बराबर है। मंत्री ने कहा, '' जैसा कि हम सभी जानते हैं, अपतटीय पवन वैश्विक ऊर्जा बदलाव के सबसे जटिल क्षेत्रों में से एक है। इसके लिए विशेष बंदरगाह ढांचा, समुद्री लॉजिस्टिक, समुद्र तल पट्टे की मजबूत व्यवस्था, व्यवहार्य व्यावसायिक ढांचे आदि की जरूरत होती है।'' उन्होंने कहा कि इसी वजह से यह कार्यबल महत्वपूर्ण है। भारत-ब्रिटेन दृष्टिपत्र 2035 और चौथे ऊर्जा संवाद के तहत इस कार्यबल का गठन भारत के अपतटीय पवन ऊर्जा परिवेश को रणनीतिक दिशा एवं समन्वय देने के लिए किया गया है। जोशी ने कहा कि ब्रिटेन ने शुरुआती तैनाती से लेकर परिपक्व आपूर्ति श्रृंखलाओं वाले बड़े व्यावसायिक बाजारों तक अपतटीय पवन के विस्तार में वैश्विक नेतृत्व दिखाया है। उन्होंने कहा, '' भारत व्यापकता, दीर्घकालिक मांग और तेजी से बढ़ता स्वच्छ ऊर्जा तंत्र लेकर आता है।

हम मिलकर तीन व्यावहारिक स्तंभों पर काम कर सकते हैं। पहला स्तंभ पारिस्थितिकी योजना एवं बाजार संरचना है जिसमें समुद्र तल ढांचे को बेहतर बनाना, ग्रिड तैयारी के अनुरूप निविदा समयरेखा तय करना और पारदर्शी राजस्व सुनिश्चितता तंत्र बनाना शामिल है।'' मंत्री ने कहा कि दूसरा स्तंभ ढांचा और आपूर्ति श्रृंखला है।

पाकिस्तान में सरकारी इशारे पर चल रहे 'डेथ स्क्वॉड्स'!

बलूचिस्तान में बढ़ी हत्याएं, युवा कारीगर के मर्डर पर बढ़ा बवाल

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कथित राज्य-समर्थित हिंसा के नए आरोप सामने आए हैं। बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी)ने दावा किया है कि टंप क्षेत्र के 23 वर्षीय युवक की सशस्त्र समूह ने गोली मारकर हत्या कर दी, जो कथित तौर पर आधिकारिक संरक्षण में काम करता है। बीवाईसी के अनुसार, मृतक की पहचान फराज़, पुत्र बहादुर, निवासी कोशकलात (टंप) के रूप में हुई है। समिति का आरोप है कि स्थानीय लोग ऐसे सशस्त्र गिरोहों को 'डेथ स्क्वॉड' कहते हैं, जो असहमति दबाने और युवा बलूच पुरुषों को डराने के लिए सक्रिय हैं। संगठन ने कहा कि प्रशासन की निष्क्रियता के कारण ये नेटवर्क बेखौफ होकर काम कर रहे हैं।

बीवाईसी ने फराज़ को एक कुशल कढ़ाई कारीगर बताया, जो अपने परिवार की आजीविका चलाता था। समिति के मुताबिक, उसकी हत्या नागरिकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा का खतरनाक संकेत है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने पहले भी जबरन गुमशुदगी और न्यायेतर कार्रवाइयों के बढ़ते मामलों पर चेतावनी दी है।इसी बीच, पांजगुर जिले में भी शव मिलने की खबरें हैं। बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, सीपीईसी मार्ग पर पांजगुर गैस प्लांट के पास एक शव मिला, जिसे पहचान के लिए अस्पताल भेजा गया। इससे पहले शापाटन इलाके से बरामद दो शवों की पहचान जंगियान (पुत्र अब्दुल रशीद) और सईद (पुत्र मोलादाद) के रूप में हुई। संकलित रिपोर्टों में इस वर्ष कई कथित न्यायेतर हत्याओं का उल्लेख है जैसे करीम जान, जासिम जान, पज़ीर बलोच, नवाब अब्दुल्ला और जंगियान बलोच। जनवरी में जोहैब का शव भी मिला था, जो पहले लापता बताया गया था। बीवाईसी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय, एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच से स्वतंत्र जांच की मांग की है। समिति का कहना है कि जारी गुमशुदगियां, अवैध हिरासत और हत्याएं व्यवस्थित मानवाधिकार उल्लंघनों की ओर इशारा करती हैं और अंतरराष्ट्रीय चुप्पी से अत्याचार और बढ़ सकते हैं।

अमेरिका में धूल से तबाही : हाईवे पर 30 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं, 4 की मौत व 29 घायल

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के कोलोराडो राज्य में आई धूल भरी भीषण आंधी ने जानलेवा हादसे को जन्म दिया। तेज हवाओं के कारण उड़ती धूल से दृश्यता लगभग शून्य हो गई, जिसके चलते पुएब्लो के दक्षिण में इंटरस्टेट-25 पर 30 से अधिक वाहन एक-दूसरे से टकरा गए।

कोलोराडो स्टेट पेट्रोल के अनुसार, यह हादसा पूर्वाह्न लगभग 10 बजे हुआ, जब अचानक तेज हवाओं के साथ धूल का गुबार उठ खड़ा हुआ। वाहन चालकों को सड़क पर आगे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, जिससे एक के बाद एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते चले गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 29 घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घायलों की स्थिति को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है।

गश्ती दल की प्रवक्ता शेरी मेंडेज ने कहा कि अत्यंत कम दृश्यता को दुर्घटना का प्रमुख कारण माना जा रहा है, हालांकि अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया और राहत एवं बचाव कार्य में कई घंटे लग गए। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और चेतावनी जारी होने पर विशेष सतर्कता बरतें।

भारत कृत्रिम मेधा नवाचार के प्रमुख केंद्रों में से एक : एनविडिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत अपने मजबूत विकासकर्ता आधार, स्टार्टअप और साझेदार नेटवर्क के दम पर कृत्रिम मेधा (एआई) नवाचार के प्रमुख केंद्रों में शामिल हो गया है। एनविडिया के प्रबंध निदेशक (दक्षिण एशिया) विशाल धूपर ने कहा कि कंपनी देशभर के प्रौद्योगिकी दिग्गजों के साथ मिलकर बदलाव को तेज करने और विकास को नई गति देने पर काम कर रही है। धूपर ने कहा कि एनविडिया की विविध साझेदारियां बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि कृत्रिम मेधा कोई एकल उत्पाद या एक बार की खोज नहीं है। उन्होंने इसकी पांच परत (लेयर) वाले केक से तुलना करते हुए कहा कि इसके सबसे निचले स्तर पर ऊर्जा, उसके ऊपर चिप, आधारभूत ढांचा, मॉडल और फिर अनुप्रयोग हैं।

धूपर ने कहा कि इन सभी परतों का अपना अलग परिवेश है और एनविडिया, भारत के प्रौद्योगिकी दिग्गजों के साथ इस पूरी श्रृंखला के हर स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि भारत में एनविडिया का परिवेश निरंतर बढ़ रहा है। धूपर ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमें गर्व है कि हम इस पूरी श्रृंखला की हर परत पर भारत के दूरदर्शी नेतृत्व के साथ काम कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि आज भारत में करीब आठ लाख डेवलपर एनविडिया के मंचों पर कृत्रिम मेधा समाधान बना रहे हैं, उन्हें प्रशिक्षित एवं क्रियान्वित लागू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' का यह ''रोमांचक'' सप्ताह नवाचार एवं अवसर लेकर आया है।

एआई शिखर सम्मेलन में मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग की अनुपस्थिति के सवाल पर विशाल धूपर ने कहा कि कई हफ्तों तक लगातार यात्रा के बाद शीर्ष अधिकारी अस्वस्थ हैं और उन्होंने जय पुरी को इस कार्यक्रम में कंपनी के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए भेजा है।

ट्रंप की दोहरी चाल : ईरान से बातचीत के बीच अमेरिका की भारी सैन्य घेराबंदी

50 फाइटर जेट और युद्धपोत मिडिल ईस्ट किए रवाना

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रणनीति एक बार फिर सवालों में है। एक ओर संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड के जिनेवा में परमाणु कार्यक्रम को लेकर अप्रत्यक्ष बातचीत चल रही है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अभूतपूर्व सैन्य घेराबंदी शुरू कर दी है। पिछले 24 घंटों में अमेरिका ने 50 से अधिक अत्याधुनिक फाइटर जेट तैनात किए हैं और कई युद्धपोत रणनीतिक समुद्री क्षेत्रों की ओर रवाना किए गए हैं। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों का दावा है कि यह कदम 'क्षेत्रीय सुरक्षा' और 'निवारक क्षमता' को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। लेकिन जानकारों का कहना है कि यह ट्रंप की क्लासिक दोहरे दबाव की नीति है बातचीत की मेज पर शांति की भाषा और मैदान में सैन्य ताकत का प्रदर्शन। इसका सीधा संदेश ईरान को है कि अगर वार्ता अमेरिका की शर्तों पर नहीं बढ़ी, तो सैन्य विकल्प हमेशा तैयार हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, इस तरह का शक्ति प्रदर्शन न सिर्फ ईरान पर दबाव बनाता है, बल्कि मिडिल ईस्ट के अन्य देशों को भी अमेरिकी वर्चस्व का संकेत देता है। हालांकि, आलोचकों का मानना है कि इस सैन्य घेराबंदी से क्षेत्र में तनाव और अस्थिरता बढ़ सकती है, जिससे बातचीत की संभावनाएं कमजोर पड़ेंगी। अब सबकी नजर इस पर है कि ट्रंप की यह दोहरी चाल डिप्लोमेसी को आगे बढ़ाती है या मिडिल ईस्ट को एक नए टकराव की ओर धकेल देती है।

जिनेवा वार्ता से पहले रूस का भीषण हमला यूक्रेन पर 29 मिसाइलें और 400 ड्रोन दागे

मॉस्को **(एजेंसी)**। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने दावा किया है कि रूस ने जिनेवा में होने वाली अहम त्रिपक्षीय वार्ता से ठीक पहले यूक्रेन पर एक 'भीषण और सुनियोजित' हमला किया। इस हमले में रूस ने 29 मिसाइलें और लगभग 400 ड्रोन दागे। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने 29 में से 25 मिसाइलों को मार गिराया, जिसे उन्होंने एक बड़ी सफलता बताया। इसके बावजूद हमलों में बच्चों समेत नौ लोग घायल हुए हैं और कई रिहायशी इलाकों को नुकसान पहुंचा है।राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि जिनेवा में नए कूटनीतिक प्रारूप शुरू होने के दिन ही हमला करना रूस की 'असल मंशा' को उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन शांति चाहता है और युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते को तैयार है, लेकिन रूस का व्यवहार इसके विपरीत है। उन्होंने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल से आग्रह किया कि वह ताहर्नि में अमेरिकी प्रतिनिधियों के सामने इस हमले का मुद्दा मजबूती से उठाए, खासकर तब जब अमेरिका ने दोनों पक्षों से हमले रोकने का प्रस्ताव रखा था। इस बीच, रूस के हमलों से ओडेसा शहर में हालात और बिगड़ गए हैं। ड्रोन हमलों के कारण हजारों लोग पानी और हीटिंग सप्लाई से वंचित हो गए हैं। करीब 10 से अधिक रिहायशी इमारतें और रेलवे ढांचा भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

जेलेंस्की ने कहा कि कुल 12 यूक्रेनी क्षेत्रों को निशाना बनाया गया और यह हमला खास तौर पर देश के ऊर्जा ढांचे को तबाह करने के उद्देश्य से किया गया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों से अपील की कि रूस पर प्रतिबंधों का दबाव बढ़ाया जाए और यूक्रेन की वायु रक्षा को तत्काल मजबूत किया जाए। यूक्रेन-रूस युद्ध फरवरी 2022 से जारी है और जिनेवा में चल रही यह वार्ता अमेरिका की मध्यस्थता में युद्ध को समाप्त करने की कोशिशों का हिस्सा है। लेकिन इस ताजा हमले ने एक बार फिर शांति प्रयासों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)